सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 327 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 10 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह कल आएंगे छत्तीसगढ़

**रायपुर।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 11 सितंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। वे सक्ती जिले के ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में आयोजित बड़े सरकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान ग्रामीण विकास, आवास, आजीविका, महिला सशक्तिकरण और तकनीकी नवाचार से जुड़ी कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम में 122 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 39 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन होगा। इन परियोजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, आवास और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत प्रदेश में नवनिर्मित 2 लाख आवासों के हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया जाएगा।

### छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सरकार से स्कूलों की आरक्षित सीटों का मांगा ब्योरा

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बच्चों के शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत प्रवेश और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर राज्य सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी है। चीफ जस्टिस कृष्ण राम महापात्र और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सरकार को तीन सप्ताह के भीतर विस्तृत हलफनामा पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर 2026 को होगी। मामले में सीवी भगवंत राव ने आरटीई के तहत प्रवेश को लेकर जनहित याचिका दायर की है। इसके साथ ही 13 अन्य याचिकाओं पर भी सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि आरटीई के लिए वर्तमान में कौन-सी मानक संचालन प्रक्रिया लागू है। कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में विस्तृत जानकारी हलफनामे के माध्यम से प्रस्तुत करने को कहा है। हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ के प्रत्येक स्कूल से संबंधित विस्तृत डेटा भी मांगा है। सरकार को चार्ट के माध्यम से बताना होगा कि प्रत्येक स्कूल में आरटीई के तहत कितनी सीटें आरक्षित हैं, कितने बच्चों को प्रवेश दिया गया है और कितनी सीटें अभी खाली हैं।

### बच्चों के अपहरण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-राज्यों से मांगा जवाब

**नईदिल्ली।** बच्चों के अपहरण मामलों की जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में ऐसी घटनाओं की जांच के लिए एक जैसी व्यवस्था बनाने की मांग की गई। साथ ही जांच को तय समयसीमा में पूरा करने, विशेष जांच प्रक्रिया अपनाने और जल्द सुनवाई के लिए अदालतें बनाने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने मामले में केंद्र और राज्यों से जवाब मांगा है। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ शिक्षा, कानून एवं न्याय मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विधि आयोग को नोटिस जारी किया है।

## छत्तीसगढ़ के लिए केन्द्र ने दी तीन रेल परियोजनाओं को मंजूरी, सीएम साय ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 हजार 783 करोड़ रुपए तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केन्द्र सरकार की इस सौगात के लिए पीएम मोदी व रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इनमें बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन छत्तीसगढ़ के विकास की दृष्टि से विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश के रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा उद्योग और व्यापार के लिए माल परिवहन अधिक सुगम एवं प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक और मजबूत रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में अभूतपूर्व गति से कार्य हो रहा है। छत्तीसगढ़ को भी इसका निरंतर लाभ मिल रहा है। नई मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को गति देने के साथ आर्थिक, औद्योगिक विकास और रोजगार को विस्तार देंगी।

### इन परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

तीन परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इनकी कुल अनुमानित लागत 10 हजार 783 करोड़ रुपए है और इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने की योजना है। इन तीनों परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनसे लगभग 4 हजार 790 गांवों और करीब 56 लाख की आबादी को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

## छत्तीसगढ़ : ढाई साल में 15 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी, सर्वाधिक पुलिस विभाग में

### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया निरंतर जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रोजगार के मामले में छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने 15 हजार युवाओं को शासकीय नौकरी की सौगात दी है। इनमें सर्वाधिक नियुक्तियां पुलिस विभाग में हुई हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महानदी भवन में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के 21 नवचयनित सहायक संचालकों (योजना) को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पुलिस विभाग में 7 हजार से अधिक और शिक्षा विभाग में 3 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। बिजली विभाग में भी 1200 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए अवसरों का दायरा केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं है। राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति में रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं। रोजगार मेलों, निजी क्षेत्र, स्वरोजगार और उद्यमिता के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और रुचि के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले।

वित्त तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने नवचयनित अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सुनियोजित शहरीकरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अर्थव्यवस्था के विकास के साथ शहरी आबादी और शहरों का विस्तार बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए भविष्य की आवश्यकताओं का पहले से आकलन कर आधुनिक और वैज्ञानिक टाउन प्लानिंग करना समय की आवश्यकता है।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में पहले एक बार में तीन या चार सहायक संचालकों की नियुक्तियां होती थीं, लेकिन इस बार एक साथ 21 अधिकारियों की नियुक्ति हुई है। इससे विभाग की प्रोफेशनल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और प्रदेश में सुनियोजित शहरी विकास को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में विभागीय सचिव अंकित आनंद, आयुक्त अवनीश शरण सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, नवचयनित सहायक संचालक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

## सरकारी नौकरी के लिए छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना अनिवार्य

### तृतीय-चतुर्थ श्रेणी भर्ती में बदले नियम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सरकार ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर सीधी भर्ती के नियमों में बदलाव किया है। अब इन पदों को शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सात समूहों में बांटा गया है। सबसे अहम बदलाव यह है कि सीधी भर्ती में छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य होगा।

नई व्यवस्था में इंजीनियरिंग, स्नातक-स्नातकोत्तर, शिक्षा, वर्दीधारी सेवा, स्वास्थ्य, हायर सेकेंडरी और चतुर्थ श्रेणी स्तर के पद शामिल हैं। भर्ती में सामान्य पदों के लिए कॉमन परीक्षा और तकनीकी पदों के लिए आवश्यकता अनुसार अलग परीक्षा ली जा सकेगी। उप अभियंता पद के लिए संबंधित शाखा में तीन वर्षीय डिप्लोमा या बीई/बीटेक जरूरी होगा। श्रम, खाद्य और सहकारिता निरीक्षक जैसे पदों के लिए स्नातक अनिवार्य किया गया है। सहायक ग्रेड-3 और डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए स्नातक के साथ कंप्यूटर डिप्लोमा और टाइपिंग परीक्षा पास करना जरूरी होगा।

### वर्दीधारी और अन्य पदों के लिए योग्यता

पुलिस, जेल, वन, आबकारी और परिवहन विभाग के कई वर्दीधारी पदों के लिए 12 वीं पास के साथ शारीरिक परीक्षा होगी। पटवारी और हॉस्टल वार्डन के लिए 12वीं तथा कंप्यूटर डिप्लोमा जरूरी है। वहीं भृत्य, चौकीदार, माली और वार्ड ब्वाय जैसे पदों के लिए 10वीं पास योग्यता रखी गई है।

## शिक्षा विभाग के तीन अफसरों पर कार्रवाई दो अफसर अटैच और एक को किया निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड में शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। शिक्षकों की शिकायतों के आधार पर जिला कलेक्टर रोहित व्यास ने बीईओ और एबीईओ को ऑफिस अटैच कर दिया है, जबकि बीआरसी को निलंबित कर दिया गया है। तीनों अधिकारियों पर कथित आर्थिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना, पद के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप लगे थे। कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

मामला जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड शिक्षा विभाग का है, जहां शिक्षकों की शिकायतों के बाद जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। फरसाबहार में पदस्थ बीईओ दुर्गेश देवांगन को जिला पंचायत कार्यालय और एबीईओ रविंद्र साय पैंकरा को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अटैच किया गया है। वहीं, बीआरसी देवेंद्र सिंह को निलंबित करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पत्थलगांव भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि तीनों अधिकारियों के खिलाफ शिक्षकों की ओर से कथित आर्थिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना, पद के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार सहित कई गंभीर शिकायतें सामने आई थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर रोहित व्यास ने कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद शिक्षा विभाग में यह कार्रवाई की गई। फरसाबहार विकासखंड शिक्षा विभाग के एक ही कार्यालय से जुड़े तीन अधिकारियों पर हुई इस कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

### छत्तीसगढ़ में हैवी रेन का अलर्ट, बंगाल में बने सिस्टम का असर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में अब बारिश की एक्टिविटी बढ़ने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिकपूरे प्रदेश में बारिश बढ़ने के आसार हैं। बंगाल और बांग्लादेश के पास एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके असर से आज बंगाल की खाड़ी के ऊपर लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से छत्तीसगढ़ में नमी वाली हवाएं बढ़ेंगी और कई इलाकों में बारिश तेज हो सकती है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा पाली (कोरबा) में 40 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद बेलगहना (बिलासपुर) में 30 मिमी, हरदीबाजार (कोरबा) और नरहरपुर (कांकेर) में 20-20 मिमी बारिश हुई। तापमान की बात करें तो रायपुर में पिछले 24 घंटे में प्रदेश का सबसे ज्यादा 34.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, सबसे कम 21.2 डिग्री तापमान पेंड्रा रोड में रहा।

## एमपीएमएससी मेंस सीनीयर वुमेंस : छत्तीसगढ़ ने रोमांचक मैच में ओडिशा को 16 रन से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजस्थान क्रिकेट एसोसियेशन द्वारा एमपीएमएससी मेंस सीनीयर वुमेंस आमंत्रण टी 20 ट्राफी 2026 का आयोजन 6 सितंबर 2026 से किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का तीसरा टी 20 मैच 9 सिंतबर 2026 को मीराज क्रिकेट मैदान, उदयपुर, राजस्थान में ओडिशा टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ ने ओडिशा को रोमांचक मैच में 16 रनों से हराया

ओडिशा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 176 रन बनाये। छत्तीसगढ की शुरुवात अच्छी रही, प्रांरभिक बल्लेबाजों ने शानदार शुरुवात करते हुये पहले विकेट के लिये प्रत्युशा एवं शिल्पा साहु के मध्य 76 रनों की साझेदारी की। इसी तरह दूसरे विकेट के लिये प्रत्युशा एवं कप्तान कृति गुप्ता के मध्य 69 रनों की साझेदारी हुयी। छत्तीसगढ की ओर से प्रत्युशा ने शानदार 89 रन तथा कप्तान कृति गुप्ता ने 36 रन बनाये। शिल्पा साहु ने 32 रनों का योगदान दिया। ओडिशा टीम की ओर से सुश्री दिव्यादर्शिनी ने 2 विकेट प्राप्त किये।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओडिशा की टीम 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 160 रन ही बना सकी। ओडिशा की ओर से कप्तान शुभ्रा स्वेन ने 57 रनों की पारी खेली। उनके अतिरिक्त अलिप्सा तथा विजयलक्ष्मी ने 24-24 रनों की पारी खेली। छत्तीसगढ के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुये ओडिशा के किसी भी बल्लेबाज को लम्बी पारी खेलने से रोके रखा तथा निरंतर अंतराल में विकेट प्राप्त करते रहे। छत्तीसगढ की ओर से उर्मिला, कृति गुप्ता, प्रिति यादव, श्रद्धा वैश्णव तथा श्रेया श्रिवास ने 1-1 विकेट प्राप्त किये।

## संपादकीय

# एआई का स्याह सच

### इंसानियत से खिलवाड़ न करें टेक कंपनियां

एआई के सूत्रधार रहे शोधकर्ता लगातार धारदार होती एआई को लेकर जो गंभीर चिंता जता रहे हैं, उसमें मानव सभ्यता के लिए आसन्न संकट की आहट सुनायी देती है। पहले भी दबी-खुली जुबान में एआई के संस्थापक सूत्रधार ऐसी चिंता गाहे-बगाहे जाहिर कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफबढ़ती अंधी होड़ है। जिसके बारे में आशंका जतायी जा रही है कि ऐसा सिस्टम तैयार किया जा रहा है जो आगे चलकर कई क्षेत्रों में इंसानी क्षमताओं से भी आगे निकल सकता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर,संसाधनों और संस्थानों को शिकार बनाने की क्षमता भी हासिल कर सकता है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि एन्थ्रोपिक के अपने अलाइनमेंट साइंस प्रमुख, इवान हुबिंगर ने भी माना है कि कंपनी के पास अभी तक सुपरइंटेलिजेंट सिस्टम को इंसानी हितों के अनुकूल बनाने का कोई समाधान मौजूद नहीं है। निश्चित रूप से ऐसी बातें एआई उद्योग के मूल में विद्यमान खतरनाक विरोधाभास को ही उजागर करती हैं। कंपनियां तेजी से यह मानकर चल रही हैं कि एडवांस्ड एआई से बहुत बड़े जोखिम मानवता के समक्ष उत्पन्न हो सकते हैं। लेकिन इस हकीकत को जानते-बूझते हुए भी इस क्षेत्र में जारी मारक स्पर्धा उन्हें ज्यादा सक्षम सिस्टम बनाने को बाध्य कर रही है।

> इसी कड़ी में अब एन्थ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन के इस्तीफे और उनकी इस बात पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है। जब कोई ऐसा व्यक्ति जो एन्थ्रोपिक व ओपन एआई जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों में अहम भूमिका निभा चुका हो, यह दावा करता है कि एआई की बड़ी कंपनियां इंसानी जिंदगी के साथ जुआ खेल रही हैं, तो मामला गंभीर हो जाता है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही उठता है कि एआई से जुड़े शोध-अनुसंधान के कार्य को क्या जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जा रहा है? दरअसल, कॉक्सन की असली चिंता खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की तरफ बढ़ती अंधी होड़ है।

दरअसल, एआई के क्षेत्र में जारी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार उन्नत सिस्टम बनाने को मजबूर कर रही है। उनकी आशंका है कि यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो दूसरी कंपनी ऐसी पहल करके विश्व के एआई बाजार पर वर्चस्व बना लेगी। निश्चित रूप से यह अंधी होड़ एक दिन मानवता को एक भयावह तबाही के दरवाजे पर खड़ा कर सकती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज दुनिया में एआई के प्रयोग से चिकित्सा, विज्ञान और उत्पादन के क्षेत्र में आशातीत लाभ मिले हैं। लेकिन इसके बावजूद तकनीकी प्रगति को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जा सकता है कि उससे क्षमताएं कितनी बेहतर स्थिति में आ पहुंची हैं। एआई के क्षेत्र में की जा रही तरक्की के साथ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके साथ ही सुरक्षा और जवाबदेही भी उसी रफ्तार से आगे बढ़नी चाहिए। सही मायने में लगातार शोध-अनुसंधान के जरिये बड़े पैमाने पर उन्नत एआई क्षमताएं हासिल करने के गंभीर आक्षेप चिंता की बात है। यदि अमेरिका और चीन के बीच जारी गला-काट स्पर्धा शक्तिशाली एआई के विस्तार को तेज कर रही है और वहीं दूसरी ओर कंपनियां अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिये संघर्ष कर रही हैं तो इसके जोखिम कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा से कहीं अधिक बढ़ जाते हैं। निश्चित रूप से ऐसी स्थिति में सरकारें इंसानियत के भविष्य से जुड़े फैसले टेक कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ सकती हैं। बड़ी एआई लैब्स के लिये लागू करने योग्य सुरक्षा मानक, स्वतंत्र निगरानी व जोखिम का पारदर्शी आकलन करना जरूरी है। इसके अलावा एआई की सबसे खतरनाक क्षमताओं के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीमाएं तय करनी बेहद जरूरी हैं। एआई के खिलाफ दुनिया में उठ रही आवाजों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। निश्चित रूप से जब मानवता सभ्यता पर संकट हो और बात उसके भविष्य की हो, तो कोई भी लापरवाही भरा कदम घातक साबित हो सकता है।

# विवि परिसरों में हॉस्टल बनने से टलेंगे हादसे

अभय मौर्या

दिल्ली में सत्य निकेतन हादसा बेहद अफ़्सोस की बात है जिसके होने के लक्षण पहले ही नजर आ रहे थे। यानी पूरी-पूरी आशंकाएं थीं। गंभीर इंसानी लापरवाही की वजह से हुई इस त्रासदी में कई छात्रों की जानें चली गईं। इसका मूल कारण है दिल्ली यूनिवर्सिटी में हॉस्टल की अपर्याप्त सुविधाएं।

लेखक मास्को विश्वविद्यालय में पीएचडी करने के दौरान वहां के छात्रावास में वे चार वर्ष रहे। हॉस्टल के हर कोने में रसोई आदि सुविधाएं थीं जहां कभी-कभार अपनी मर्जी का खाना बना सकते थे। इसके अलावा वहां बड़े-बड़े भोजनालयों की भरमार थी। वहां छात्रों को रोजमर्रा की जरूरतों की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। वे दिल लगाकर पढ़ाई कर सकते थे। सप्ताहांत के समय छात्रावास में विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का छात्र स्वयं आयोजन करते थे। सभी को अपनी कलात्मक व सृजनात्मक प्रतिभा चमकाने का अवसर मिलता था। कलात्मक ढंग से नाचना या गाना सीख सकते थे। इन सब हुनरों का विकास करने का अवसर छात्रावासों में ही मिलता था। मास्को विश्वविद्यालय में छात्रावास सुविधा निःशुल्क थी। निवास के अलावा जिम, चिकित्सालय व रोजमर्रा की सभी जरूरी सुविधायें छात्रावास कैम्पस में थीं। यानी हॉस्टल घर से दूर घर जैसा माहौल प्रदान करते थे।

ऐसा ही अनुभव कुछ-कुछ स्वीडन और फिनलैंड में भी मिलता है। लेकिन वहां के छात्रावास महंगे होते थे जो बहुत सारे छात्रों के सामर्थ्य से बाहर होते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापक बनने पर इस यूनिवर्सिटी के तीन पोस्ट-ग्रेजुएट हॉस्टलों की मैनेजमेंट से जुड़ने का अवसर मिलाङ्क जुबली हॉल और पीजी मेन्स हॉस्टल के प्रोवोस्ट और ग्वायर हॉल के रेजिडेंट ट्यूटर के तौर पर। इससे दिल्ली यूनिवर्सिटी में छात्रावासों की कमी की गंभीरता को समझने और खुद के छात्रावासीय जीवन के संदर्भ में समझने का अवसर मिला।

निस्संदेह, निराशा पैदा होनी स्वाभाविक थी कि दिल्ली यूनिवर्सिटी में छात्रावास सुविधा बेहद कम है। विश्वविद्यालय में 80 से ज़्यादा कॉलेज हैं जिनमें से

मात्र दस में छात्रावास हैं। इनमें ज़्यादातर कॉलेज डीयू के मेन कैंपस में हैं ङ्क मिरांडा हाउस, सेंट स्टीफ़ंस, हिंदू कॉलेज हंसराज, रामजस, किरोड़ीमल, एसआरसीसी , डीआर,आईपी आदि कॉलेज छात्रावास की सुविधा देते हैं। मेन कैंपस के बाहर, सिर्फ़लेडी श्रीराम कॉलेज में हॉस्टल है। इन कालेजों के छात्रावासों में भी दिल्ली से बाहर से आने वाले सभी छात्रों को जगह नहीं मिलती। छात्र रहने के लिए मारे-मारे फिरने को मजबूर होते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में दिल्ली से बाहर के छात्रों की स्थिति दयनीय ही कही जा सकती है। यहां के 50 से अधिक पोस्ट ग्रेजुएट विभागों के लिए कुल 7-8 हॉस्टल हैं : जुबली हॉल, ग्वायर हॉल, पीजी मेन्स और विमेंस हॉस्टल, दो इंटरनेशनल हॉस्टल और नॉर्थ-ईस्ट के छात्रों के लिए एक हॉस्टल। साउथ कैंपस में सिर्फ़एक महिला छात्रावास है। सभी अंडर-ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट हॉस्टलों में लगभग 2,500 छात्रों के रहने की जगह है। जबकि ज़रूरत दसियों हज़ारों छात्रावास के कमरों की है। पर हमारे देश में आधुनिक सुविधाओं के बारे में सोचता कौन है रहने के लिए बस एक खटिया मिल जाए तो भाग्यशाली समझो। पर वह भी मुहैया नहीं होती छात्रावासों में।

सिर्फ़ पुराने कॉलेजों में ही हॉस्टल की सुविधा है, वह भी नाममात्र की। दिल्ली में अलग-अलग सरकारों के समय लगभग 57 कॉलेज बने। उनमें से किसी ने भी अपने कैंपस में हॉस्टल सुविधा देने की कोशिश नहीं की। बस कालेज बनाकर नाम कमाते रहे। बाहरी छात्रों को अपने देश की राजधानी में पढ़ने का पूरा अधिकार है। पर यह हक हजारों जोखिमों से भरा है, जान तक का जोखिम लेना पड़ता है। सत्यनिकेतन में यही हुआ। यूजीसी भी इस गंभीर अनदेखी में हिस्सेदार मानी जा सकती है। वह न तो अपने फंड से बने नए कॉलेजों के लिए हॉस्टल की सुविधा ज़रूरी मानती है, और न ही यह शर्त रखती है कि कॉलेजों में दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ हॉस्टल भी बनाए जाएं। छात्रावासों के बारे में सोचा ही नहीं जाता, मानो छात्रों को रहने-खाने की जरूरत ही नहीं।

यूनिवर्सिटी प्रशासन को भी अपने विभागों और कॉलेजों के लिए हॉस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर न बना पाने की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिये। दरअसल, यूनिवर्सिटी प्रशासन हॉस्टल बनाने से बचता रहा है- वह हॉस्टलों को बहुत बड़ी परेशानी और सिरदर्दी का स्रोत मानता रहा है। मानो वे शिक्षा के लिए अनावश्यक हों। लेखक के मुताबिक, कॉलेज मैनेजमेंट के लिए ज़िम्मेदार एक डीन अक्सर कहते थे कि यूनिवर्सिटी के लिए हॉस्टल बेवजह की परेशानियां खड़ी करते हैं। अमूमन विवि प्रशासन के कई लोग जेएनयू का उदाहरण देते हैं, जहां कथित तौर पर कुछ ज्यादा ही आजादी होती है, छात्र स्वच्छंद और उन्मुक्त हो जाते हैं।

नीति-नियंताओं द्वारा हायर एजुकेशन के लिए बजट में भारी कटौती की गई है। यहां तक कि एजुकेशन सेस का बड़ा हिस्सा भी दूसरे कामों में लगा दिया जाता है। जोर निजीकरण पर है जिसकी योजना में मानव व मानवीय मूल्यों का कोई स्थान शायद ही होता हो। हॉस्टल प्रशासन के सामने बड़ी समस्या यह भी होती है कि हॉस्टल में रहने वाले छात्र अपने कोर्स की अवधि से ज़्यादा समय तक टिके रहते थे, खासकर पोस्ट-ग्रेजुएट हॉस्टलों में। लेखक के मुताबिक, प्रोवोस्ट के तौर पर उन्हें जुबली हॉल में कोर्स अवधि से ज़्यादा समय तक रहने वाले छात्रों को निकालने के लिए एक बार पुलिस की मदद लेनी पड़ी थी; उनमें कुछ तो 10-15 साल से वहां रह रहे थे।

दिल्ली यूनिवर्सिटी और उसके कॉलेजों के आसपास तेज़ी से बढ़े 'पेइंग गेस्ट' (पीजी) मालिक बेतहाशा कमाई करते हैं और विवश छात्रों का शोषण करते हैं। नॉर्थ कैंपस के पास मुखर्जी नगर, हडसन लेन, विजय नगर और साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन आदि डीयू में हॉस्टलों की कमी की वजह से ही बने हैं। इन पीजी आवासों में बाहर से आए मजबूर छात्रों को नारकीय स्थिति में रहना पड़ता है। सत्य निकेतन की दुखद घटना ऐसी ही ज़िंदगी का नतीजा है। पीजी के मालिकों में से कुछ लालची लोग मजबूर छात्रों का बेरहमी से शोषण करते हैं। दरअसल, अधिकतर पीजी मालिक किसी न किसी सियासी पार्टी से जुड़े होते हैं।

बहरहाल, समाधान इसमें निहित है कि बड़े पैमाने पर और तेज़ी से हॉस्टल बनाए जाएं। अगर इच्छाशक्ति हो, तो ऐसा किया जा सकता है। इस संदर्भ में हैदराबाद की सेंट्रल यूनिवर्सिटी, 'इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज़ यूनिवर्सिटी' (इएफ़एलयू) का उदाहरण दिया जा सकता है जहां तीन साल से भी कम समय में लगभग तीन हज़ार छात्रों के लिए उच्च कोटि के छात्रावास बनाए गए थे, जहां लगभग सभी छात्रों को छात्रावास आसानी से मिल जाता है।

**-लेखक इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज़ यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के वाइस-चांसलर रहे हैं।**

# सफलता की होड़ से महत्वपूर्ण है जीवन

उमेश प्रताप वत्स

हर वर्ष 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि आखिर ऐसा क्या हो रहा है कि जीवन की शुरुआत की उम्र में हमारे युवा जीवन से ही हार मानने लगे हैं? भारत आज दुनिया के सबसे युवा आबादी देशों में है। हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी युवा आबादी है, लेकिन यही युवा वर्ग यदि शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगिता, पारिवारिक अपेक्षाओं और भविष्य की अनिश्चितता के दबाव में मानसिक रूप से टूटने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

एनसीआरबी की 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वर्ष 2023 में 1,71,418 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। यह संख्या अपने आप में अत्यंत गंभीर है। एनसीआरबी के अनुसार, आत्महत्या की राष्ट्रीय दर लगभग 12.4 प्रति एक लाख आबादी रही। सबसे चिंताजनक बात यह है कि आत्महत्या के कारणों में पारिवारिक समस्याएं, बीमारी, वैवाहिक समस्याएं, नशा, आर्थिक कठिनाइयां तथा परीक्षा में असफलता और करिअर से जुड़ी समस्याएं भी शामिल हैं।

नि:संदेह, आत्महत्या सामान्यत: किसी एक घटना का परिणाम नहीं होती। इसके पीछे अनेक परिस्थितियां, लंबे समय तक बना तनाव, निराशा, अकेलापन, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और व्यक्ति द्वारा अपनी परिस्थितियों को लेकर अनुभव की गई असहायता हो सकती है। आज विद्यार्थी के सामने सफलता की परिभाषा अत्यधिक संकीर्ण होती जा रही है। अच्छे अंक चाहिए। प्रतियोगी परीक्षा में चयन चाहिए। प्रतिष्ठित कॉलेज चाहिए। अच्छी नौकरी

चाहिए और फिर दूसरों से बेहतर पैकेज चाहिए। यही सोच सबसे खतरनाक है। एक परीक्षा में असफल होना जीवन में असफल होना नहीं है। एक प्रतियोगी परीक्षा में चयन न होना व्यक्ति की प्रतिभा का अंतिम मूल्यांकन नहीं है। लेकिन जब विद्यार्थी को परिवार, समाज और स्वयं की अपेक्षाओं से लगातार यह अनुभव होने लगे कि उसके पास सफलता के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं है, तब तनाव गंभीर रूप ले सकता है।

राजस्थान का कोटा लंबे समय से आईआईटी-जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रमुख केंद्र रहा है। देशभर से हजारों विद्यार्थी वहां पहुंचते हैं। कठोर प्रतिस्पर्धा, लंबे अध्ययन घंटे, टेस्ट सीरीज़, रैंक और लगातार होने वाले मूल्यांकन के बीच अनेक विद्यार्थी मानसिक दबाव का सामना करते हैं।

कोटा वास्तव में उस व्यापक राष्ट्रीय समस्या का प्रतीक बन गया है, जिसमें शिक्षा और करिअर की प्रतिस्पर्धा कई बार विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व पर भारी पड़ जाती है। यह मान लेना भी उचित नहीं होगा कि समस्या केवल कोचिंग संस्थानों या छोटे शहरों तक सीमित है। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी, नीट, विश्वविद्यालयों और मेडिकल संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी मानसिक दबाव से गुजरते हैं।

देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक दबाव के चलते विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसी घटनाएं सोचने के लिए बाध्य करती हैं कि केवल उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है। वहां विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और संवेदनशील मानसिक वातावरण भी आवश्यक है। ऐसी घटनाएं उच्च शिक्षा व्यवस्था में मानसिक स्वास्थ्य सहायता को संस्थागत बनाने की आवश्यकता अवश्य रेखांकित करती हैं।

माता-पिता की अपेक्षाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन तुलना और निरंतर दबाव विद्यार्थी के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकते हैं। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए हमें शिक्षा व्यवस्था को भी बदलना होगा।

हर विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी अधिकारी नहीं बन सकता। देश को हजारों अन्य क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं की आवश्यकता है। देश में करिअर के विकल्प बढ़ने चाहिए। इससे करिअर का दबाव घटेगा। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में नियमित काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों की उपलब्धता, हेल्पलाइन और संकट की स्थिति में त्वरित सहायता प्रणाली अनिवार्य होनी चाहिए। बच्चों को सिखाना होगा कि जीवन कोई प्रतियोगी परीक्षा नहीं है, जिसमें केवल एक रैंक मिलती है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें अपने आसपास के लोगों को देखने की संवेदनशील दृष्टि देता है। यदि कोई विद्यार्थी अचानक बहुत चुप रहने लगे, सामाजिक संपर्क से कटने लगे, पढ़ाई या सामान्य गतिविधियों में रुचि खो दे, अत्यधिक निराशा व्यक्त करे अथवा अपने जीवन को लेकर निरर्थकता की बातें करे, तो उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। किसी व्यक्ति को आत्महत्या के विचार आ रहे हों या तत्काल खतरा महसूस हो, तो उसे अकेला न छोड़ें और तत्काल परिवार, स्थानीय आपातकालीन सेवा या मानसिक स्वास्थ्य सहायता से संपर्क करें।

हमें ऐसा परिवार बनाना होगा, जहां बच्चा असफल होने पर भी घर लौट सके। ऐसा विद्यालय बनाना होगा, जहां विद्यार्थी अपनी समस्या कह सके। ऐसा समाज बनाना होगा, जहां किसी युवा की कीमत उसकी नौकरी, पैकेज या परीक्षा की रैंक से तय न हो।

# ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना-सामना

अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से दुनिया को यह संदेश देते रहे हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है। अब यही संदेश उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कसौटी बन गया है। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, दूसरी ओर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने खाड़ी देशों को भी सीधे संकट में डाल दिया है। ऐसे समय में दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी बनने जा रहा है। ब्रिक्स में रूस, चीन, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर विरोधी हितों वाले देश एक साथ मौजूद होंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए। भारत और रूस के दशकों पुराने मजबूत रिश्तों के बीच मोदी का यह संदेश काफी महत्वपूर्ण है। अब ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी के पास एक और मौका होगा कि वह रूस

के साथ अपनी दोस्ती कायम रखते हुए पुतिन को बातचीत और शांति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

हम आपको यह भी बता दें कि इस दिशा में भारत केवल रूस से बात नहीं कर रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल में कीव गए और यूक्रेनी नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और युद्ध को समाप्त करने में उपयोगी विचारों पर काम करने के लिए तैयार है। यानी मोदी सरकार की रणनीति किसी एक पक्ष को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर शांति की गुंजाइश बचाए रखने की है।

वहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं। जुलाई में भी ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कार्रवाई जारी रखी।

यहीं मोदी की कूटनीति की असली परीक्षा सामने आती है। युद्ध के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बातचीत की थी और साफकहा था कि भारत सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति से चाहता है। साथ ही उन्होंने ऊर्जा और व्यापार के निर्बाध आवागमन तथा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया। दूसरी ओर उन्होंने यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत कर उनके खिलाफ हुए हमलों की निंदा भी की थी। बहरीन के मामले में प्रधानमंत्री ने सीधे कहा था कि भारत हमलों की निंदा करता है और वहां के लोगों के साथ खड़ा है; सऊदी अरब और यूएई के संदर्भ में भी उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया था।

यही संतुलन मोदी की विदेश नीति की ताकत है। ईरान से संबंध भी चाहिए और खाड़ी अरब देशों का भरोसा भी; रूस से रणनीतिक साझेदारी भी बचानी है और पश्चिम से आर्थिक-तकनीकी रिश्ते भी मजबूत करने हैं। भारत के लिए यह केवल प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। पश्चिम एशिया में करोड़ों भारतीयों के हित, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इससे जुड़ी है। मोदी ने ईरान से बातचीत में भी इसी व्यावहारिक प्राथमिकता को सामने रखा है।

साथ ही इस पूरे समीकरण में चीन को अलग करके देखना भी संभव नहीं है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात वर्ष बाद हो रही है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में सावधानी के साथ सुधार की कोशिश दिखाई दे रही है। सीमा पर तनाव कम करना, आर्थिक रिश्तों को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद बनाए रखना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जरूरी है। इसलिए दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन मोदी के लिए केवल शिखर सम्मेलन नहीं, बल्कि कूटनीतिक संतुलन का मंच है। एक ही मेज पर पुतिन, शी, पेजेश्कियान, सऊदी और यूएई नेतृत्व के बीच भारत यह दिखा सकता है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ किसी खेमे से दूरी नहीं, बल्कि सभी से अपने हितों के आधार पर संवाद करने की क्षमता है।

देखा जाये तो दुनिया आज अलग-अलग खेमों में बंटी हुई है। ऐसे समय में मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय सभी से संवाद बनाए रखता है। रूस से युद्ध खत्म करने की अपील हो, यूक्रेन से बातचीत, ईरान से संपर्क, खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते, पश्चिम के साथ साझेदारी या चीन से संवाद, भारत हर मोर्चे पर अपने हितों को साधते हुए रिश्ते आगे बढ़ा रहा है। यही संतुलित कूटनीति भारत को इस उथल-पुथल भरी दुनिया में अपनी स्वतंत्र और मजबूत जगह बनाने में मदद कर रही है।

**- इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।**

## हंसती बिटिया

जिस घर में बेटी हंसे
वो घर स्वर्ग समान.....

ईश्वर का उपहार है, बेटी है वरदान।
जिस घर में बेटी हँसे, वो घर स्वर्ग समान।।

आगे बढ़कर कर रहीं, कार्य क्षेत्र विस्तार।
सूर्योदय संसार में, होवें बारम्बार।।
'सुषमा'-सी छाया लगे, बिटिया है अभिमान।
जिस घर में बेटी हँसे, वो घर स्वर्ग समान।।

नाजुक सी कलिका बने, दो कुल की है शान।
शस्त्र उठा काली बने, रक्षा निज अभिमान।।
रानी बिटिया लाडली, रखती माँ का ध्यान।
जिस घर में बेटी हँसे, वो घर स्वर्ग समान।।

मात-पिता सेवा करे, बाँध नेह की डोर।
रुनझुन पायल बज उठीं होकर भाव विभोर।।
दिल में पत्थर रख करें, बाबुल कन्यादान।
जिस घर में बेटी हँसे, वो घर स्वर्ग समान।।

**-सुषमा प्रेम पटेल(रायपुर छ.ग.)**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544


# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

## प्रमुख खबरें...

### सरस्वती नगर में पीएम आवास योजना के 522 मकानों का निरीक्षण

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र के सरस्वती नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन 522 मकानों का स्थल निरीक्षण किया गया। निगम आयुक्त लीना कोसम के निर्देश पर नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ आवासीय परिसर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अधिकांश मकानों का स्ट्रक्चर तैयार हो चुका है, लेकिन चार ब्लॉक को छोड़कर अन्य ब्लॉकों में अभी तक दरवाजे एवं खिड़कियां लगाने का कार्य पूरा नहीं हुआ है। वहीं कुछ ब्लॉकों में सीपेज और पानी की समस्या भी सामने आई। अधिकारियों ने मौके पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, अधूरे कार्यों तथा तकनीकी कमियों का बारीकी से निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों में मिली कमियों और अधूरे कार्यों पर नोडल अधिकारी मोहम्मद सलीम सिद्दीकी ने नाराजगी जताते हुए ठेकेदार ओम एसोसिएट्स के संबंधित कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी। उन्होंने 30 सितंबर तक दरवाजे-खिड़कियों सहित सभी शेष कार्य पूर्ण करने तथा सीपेज, पानी निकासी और अन्य तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

### सूर्य नगर गली नंबर-3 में 10 लाख की लागत से बनेगी सीमेंट-कांक्रीट सड़क

**दुर्ग।** पटरीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 16 स्थित सूर्य नगर गली नंबर-3 के रहवासियों को लंबे समय से चली आ रही कच्ची एवं उबड़-खाबड़ सड़क की समस्या से अब जल्द राहत मिलने वाली है। नगर पालिक निगम द्वारा यहां 10 लाख रुपये की लागत से सीमेंट-कांक्रीट सड़क का निर्माण कराया जाएगा। सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर शुभारंभ किया गया। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद खिलावन मटियारा, पटरीपार मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उप अभियंता पंकज साहू, सविता वर्मा सहित निगम अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सूर्य नगर गली नंबर-3 की कच्ची और उबड़-खाबड़ सड़क के कारण क्षेत्रवासियों को लंबे समय से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के दिनों में स्थिति और अधिक खराब हो जाती थी। स्थानीय नागरिकों द्वारा लगातार सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। रहवासियों की समस्या को देखते हुए नगर निगम ने 10 लाख रुपये की लागत से सीमेंट-कांक्रीट सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है।

## भिलाई निगम के 70 वार्डों का हुआ आरक्षण, 70 में से 35 सीट अनारक्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के 70 वार्डों के लिए वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया बुधवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर सेक्टर-06 में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई।

वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया के दौरान जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह, निगम आयुक्त सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी के कोसरिया, जनप्रतिनिधि, मीडिया, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे। राज्य शासन के निर्धारित नियमों के तहत वार्डों के आरक्षण के लिए लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के बीच निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पर्चियां निकाली गईं और 70 वार्डों का आरक्षण तय किया गया। पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से संपन्न होने के कारण नागरिकों को आरक्षण प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। वार्ड आरक्षण में 35 सामान्य वर्ग, 23 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 09 अनुसूचित जाति (एससी) एवं 03 अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को शामिल किया गया। आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित आरक्षित वार्डों से पात्र नागरिक अपने वर्ग के आरक्षण के अनुरूप आगामी नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद पद के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ सकेंगे। आरक्षण प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों ने निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया। मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी लॉटरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

नगर निगम क्षेत्र के 70 वार्डों के आरक्षण के साथ अब आगामी नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर गतिविधियां तेज होने की संभावना है। आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभिन्न वार्डों में संभावित प्रत्याशियों द्वारा चुनावी तैयारियां शुरू की जाएंगी।

## सुपर-80 के चयनित विद्यार्थियों और पालकों से शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सुपर-30 की तर्ज पर सुपर 80 योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों एवं उनके पालकों के लिए दुर्ग के जेआरडी स्कूल में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनके सपनों, लक्ष्य, पढ़ाई और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें सफलता के लिए प्रेरित किये।

कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सुपर-80 इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से दुर्ग जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को ह्रश्वश्वञ्ज एवं छ्रश्वश्व जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी एक क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं होती। दुर्ग जिले के विभिन्न शासकीय स्कूलों से परीक्षा आयोजित कर 12वीं और 12वीं के बाद वाले जिन्होंने 80त्न से अंक प्राप्त किये है उन विद्यार्थियों का चयन किया गया है। चयनित विद्यार्थियों में बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की है। यह योजना ऐसे विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिन्हें बेहतर कोचिंग और मार्गदर्शन के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें विशेषज्ञ शिक्षकों एवं बेहतर मार्गदर्शन का लाभ मिले, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम, नियमित अध्ययन, टेस्ट सीरीज, विषयवार तैयारी एवं परीक्षा की रणनीति के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। संवाद कार्यक्रम के दौरान चयनित विद्यार्थियों एवं पालकों ने शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से सुपर-80 योजना को लेकर विभिन्न विषयों पर संवाद कर अपनी जिज्ञासाओ पर सवाल पूछे जिनका उन्होंने जवाब भी दिए।

### अनुशासन और मेहनत से हासिल करें अपना लक्ष्य

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने चयनित विद्यार्थियों से कहा कि यह अवसर उनकी मेहनत और प्रतिभा का परिणाम है। अब इस अवसर को सफलता में बदलने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों की है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर नियमित रूप से अध्ययन करने, समय का सदुपयोग करने और पूरी लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किये। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन के साथ विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों को भी निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर लगातार नजर रखें तथा जहां आवश्यकता हो, वहां उन्हें अतिरिक्त मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं।

### पढ़ाई से लेकर रहने-खाने तक की सुविधाएं निःशुल्क

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों एवं पालकों को सुपर-80 योजना से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों की कोचिंग एवं पढ़ाई पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छात्रों एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल की व्यवस्था की जाएगी। हॉस्टल में विद्यार्थियों के रहने और भोजन सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

## नाली निर्माण में गड़बड़ी पर महापौर ने रुकवाया काम, ठेकेदार को लगाई फटकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर महापौर अलका बाघमार लगातार निरीक्षण कर रही हैं। निर्माण कार्य में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर महापौर ने बुधवार को लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उपअभियंता विकास दमाहे,सिद्धार्थ साहू एवं संबंधित ठेकेदार के साथ वार्ड क्रमांक 04 स्थित गया नगर, मुक्ति धाम के पीछे चल रहे नाली निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में तकनीकी खामियां पाए जाने पर महापौर ने तत्काल काम रुकवाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने नाली निर्माण की बारीकी से जांच की। इस दौरान नाली के बेस में निर्धारित 4 इंच की जगह मात्र 2 इंच निर्माण पाया गया। इसी प्रकार नाली के राफ्ट टॉप में भी निर्धारित मापदंड के अनुरूप निर्माण नहीं मिला। महापौर ने मौके पर नाली की जाली उखड़वाकर निर्माण की वास्तविक स्थिति की जांच कराई और संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण तरीके से दोबारा कार्य करने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने निर्माण कार्य में सही तकनीकी ढांचे एवं निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किए जाने पर ठेकेदार के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि नाली निर्माण में सही स्लोप (ढलान) का होना बेहद आवश्यक है, ताकि बारिश एवं निस्तारी का पानी सुचारू रूप से बह सके और जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। निर्माण में बेस की मोटाई कम होने तथा अन्य तकनीकी कमियां पाए जाने पर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कमियों को दूर किए बिना कार्य आगे नहीं बढ़ाया जाए।

महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा कराए जा रहे विकास कार्य जनता के हित से जुड़े हैं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। लापरवाही या घटिया निर्माण पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित रूप से निगरानी करें।

## उत्कृष्ट कार्यों के लिए जन समर्पण सेवा संस्था का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** मानव सेवा एवं गौ सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग के सदस्यों का सम्मान किया गया। भिलाई के कला मंदिर, सिविक सेंटर में 8 सितंबर 2026 को मुद्रा वेलफेयर सोसाइटी, चैंबर ऑफ कॉमर्स, दुर्ग पुलिस एवं साइबर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'साइबर संरक्षणम् 2026' कार्यक्रम में संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सदस्यों को सम्मानित किया गया।

जन समर्पण सेवा संस्था द्वारा पिछले 9 वर्ष 9 माह से बिना किसी दिन नागा किए प्रतिदिन जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है। संस्था के युवा सदस्य मानव सेवा को ही सबसे बड़ी सेवा मानते हुए निःस्वार्थ भाव से लगातार सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं। संस्था के सदस्यों का कहना है कि जरूरतमंदों की मदद से मिलने वाली संतुष्टि और आत्मिक खुशी किसी पुरस्कार से कम नहीं है। जन समर्पण सेवा संस्था द्वारा जरूरतमंदों, दिव्यांगजनों, मानसिक रूप से कमजोर एवं असहाय लोगों की सहायता के साथ-साथ गौ सेवा और पशु-पक्षियों के लिए भी निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। संस्था के सदस्यों द्वारा जरूरतमंदों को बर्तन, कंबल, साबुन, निरमा सहित दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री वितरित की जाती है। वहीं दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य भी किया जाता है। गौ सेवा के तहत गौ माता को रेडियम पट्टी लगाने के साथ पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था हेतु सकोरे एवं कोटना वितरित किए जाते हैं। संस्था द्वारा निःशुल्क एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

गंभीर बीमारी से पीड़ित अथवा दुर्घटना में घायल जरूरतमंदों के लिए मेडिकल पलंग, व्हीलचेयर, कम्मोड चेयर, वॉकर जैसी उपयोगी सामग्री भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। यह सेवा संस्था के सदस्य सुजल शर्मा के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

## लाइन ऑफ फायर पर रील मेकिंग प्रतियोगिता ने दिया रचनात्मक तरीके से सुरक्षा का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** बीएसपी के बार एवं राड मिल में सुरक्षा जागरूकता को रचनात्मक माध्यम से प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'लाइन ऑफ फायर' विषय पर आयोजित रील मेकिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 08 सितंबर 2026 को सिक्योर भवन के सभागार में कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम) योगेश शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में योगेश शास्त्री ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतियोगिता के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रचनात्मक माध्यमों के जरिए सुरक्षा संदेशों को सरल, प्रभावी और सहज रूप से कर्मचारियों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने 'लाइन ऑफ फायर' से जुड़े संभावित खतरों के प्रति सजग रहने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य व्यवहार को निरंतर अपनाने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि राकेश कुमार ने अपने संबोधन में सुरक्षा को कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा इसे व्यवहार में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर प्रत्येक कर्मचारी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा के प्रति सजगता, कर्तव्यबोध और सुरक्षित कार्य व्यवहार के माध्यम से ही दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा अपने साथियों को भी सुरक्षित कार्य व्यवहार के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर राकेश कुमार ने उपस्थित सभी कर्मियों को सुरक्षा शपथ दिलाई।

विभागीय सुरक्षा अधिकारी शशांक शर्मा ने प्रतियोगिता की रूपरेखा एवं आयोजन के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई रील्स का प्रदर्शन भी किया। रील्स के माध्यम से 'लाइन ऑफ फायर' से जुड़े कार्यस्थलीय खतरों एवं उनसे बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा सावधानियों को प्रभावी और रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अप्पू बेहरा (बीआरएम) ने प्रथम, दीपेश चुघ (डब्ल्यूआरएम) ने द्वितीय तथा प्रखर मिश्रा (बीआरएम) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को उनकी सहभागिता के लिए स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायकगण सहायक महाप्रबंधक (जनसंपर्क) जवाहर बाजपेयी, सहायक महाप्रबंधक (एसईडी) शोवन घोष एवं सहायक महाप्रबंधक (एचआर) श्रीमती हर्षल अग्रवाल को भी उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

## रिसाली सेक्टर में हुआ भव्य दही हांडी उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रिसाली।** रिसाली सेक्टर में स्व. पप्पू यादव की स्मृति में विशाल मटकी फोड़ एवं दही हांडी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, उत्साह और उमंग से सराबोर इस आयोजन में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। अतिथियों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की तथा स्व. पप्पू यादव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि दही हांडी उत्सव भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का प्रतीक है। यह पर्व हमें एकता, टीम भावना और ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने के साथ समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने स्व. पप्पू यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके विचार, सेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना आज भी लोगों के बीच जीवित है। उनकी स्मृति में आयोजित यह विशाल मटकी फोड़ एवं दही हांडी उत्सव उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि दही हांडी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़ा हुआ है और यह संदेश देता है कि जब हम एकजुट होकर कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। दही हांडी हमारी सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य होता है। विधायक चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार सनातन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आयोजन समिति को भव्य आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष और दही हांडी उत्सव के उल्लास से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में नजर आया। इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, जिला पंचायत सभापति श्रद्धा साहू, सांसद प्रतिनिधि दीपक चंद्राकर, जिला मंत्री शैलेन्द्र सेंडे, पार्षद विधि यादव, चंदेश्वरी बांधे, अजीत चौधरी, परमेश्वर महिलांग, युवा मोर्चा रिसाली मंडल अध्यक्ष रुपेश यादव, वीणा कुर्रे सहित बड़ी संख्या में आयोजक समिति के सदस्य एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

## जर्जर एवं अनफिट बीएसपी आवासों को खाली करने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** बीएसपी प्रबंधन ने भिलाई टाउनशिप स्थित जर्जर एवं अनफिट भवनों से उत्पन्न होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए अनफिट घोषित बीएसपी आवासों में निवासरत रहवासियों/अवैध कब्जाधारियों से इन आवासों को शीघ्र खाली करने की अपील की है।

बीएसपी प्रबंधन द्वारा ऐसे आवासों को निवास की दृष्टि से अयोग्य एवं जोखिमपूर्ण घोषित किया गया है। समय के साथ संरचनात्मक रूप से कमजोर हो चुके इन आवासों में बारिश के दौरान जोखिम और बढ़ जाता है। इन भवनों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इनमें निवास करना रहवासियों एवं उनके परिवारजनों की सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम उत्पन्न कर सकता है, जैसा हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई दुर्घटनाओं से भी विदित होता है।

बीएसपी टाउनशिप में आवासों पर अवैध कब्जे की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा अवैध कब्जाधारियों एवं भू-माफियाओं के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। टाउनशिप को अवैध कब्जों एवं अनाधिकृत अतिक्रमण से मुक्त कराने की दिशा में प्रवर्तन अनुभाग द्वारा व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई है।

बीएसपी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि अनफिट एवं जर्जर घोषित आवासों में निवास करना सुरक्षित नहीं है। इसलिए ऐसे आवासों में निवासरत रहवासियों/अवैध कब्जाधारियों से अपील है कि वे अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवासों को खाली कर दें।


Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

## खास खबर

### महतारी वंदन से आसान हुआ कोरकोमा की गीता का जीवन

**कोरबा।** कोरबा विकासखण्ड के कोरकोमा गांव की गीता नायक के लिए हर महीने बैंक खाते में आने वाली एक हजार रुपये की राशि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का आधार बन गई है। 31वीं किश्त खाते में आने के बाद गीता ने बताया कि उनके पति नीलांबर खेती-किसानी का कार्य करते हैं। महतारी वंदन की राशि का उपयोग ले बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं, परिवार के लिए पौष्टिक भोजन और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। हर महीने अपने खाते में राशि आने से मुझे लगता है कि मैं भी परिवार की जरूरतों में अपना योगदान दे रही हूं। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है और मैं छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहती। महतारी वंदन की राशि मेरे लिए मुश्किल समय में सहारा बनती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खाते में सीधे राशि पहुंचने से उनमें आर्थिक सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। अपने निर्णयों में भागीदारी और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में योगदान देने से महिलाएं धीरे-धीरे आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रही हैं। गीता नायक के लिए यह योजना आर्थिक सहायता के साथ-साथ सम्मान और आत्मविश्वास का माध्यम भी बनी है। श्रीमती गीता नायक ने कहा, विष्णु भैया की सरकार महिलाओं के लिए बहुत अच्छी योजनाएं चला रही है। महतारी वंदन योजना से हमें हर महीने आर्थिक सहारा मिल रहा है। 31 किश्तों के बाद आज यह राशि हमारे जीवन का हिस्सा बन गई है। मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसी उपयोगी योजना संचालित की है।

### छत्तीसगढ़ में सेवा संकल्प अभियान

# नुक्कड़ नाटकों से विद्यार्थियों के साथ ही आम नागरिकों तक पहुंचाएंगे परिवर्तन की कहानी

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवाकाल के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ प्रभावी बनाने की दिशा में तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अभियान के तहत पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सचिव डॉ. एस. भारतीदासन पर्यटन एवं संस्कृति छत्तीसगढ़ शासन, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे, संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री अग्रवाल ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जनसेवा, जनभागीदारी और विकास के प्रति नागरिकों के विश्वास को मजबूत करने का व्यापक अवसर है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान से जुड़ी गतिविधियों को अधिक प्रभावी, रचनात्मक और जनोन्मुखी बनाया जाए, ताकि योजनाओं एवं विकास कार्यों का संदेश प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों तक सहज और प्रभावशाली ढंग से पहुंच सके।

#### सेवा और विकास गाथा बनेगी जनभागीदारी का माध्यम

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रदेशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व एवं समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी का स्वरूप देना है। अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान' और 'सेवा सेतु अभियान, 'सरकार आपके द्वार' सहित अनेक गतिविधियां होंगी।

इन गतिविधियों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र नागरिकों तक पहुंचाने, योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों को जोड़ने तथा समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

#### संस्कृति और पर्यटन से मिलेगा रचनात्मक विस्तार

बैठक में मंत्री श्री अग्रवाल ने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग से संबंधित गतिविधियों को समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा दोनों विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संस्कृति जनसंवाद का प्रभावी माध्यम है और पर्यटन प्रदेश की विकास यात्रा को देश-दुनिया तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम। इन दोनों माध्यमों का प्रभावी उपयोग कर 'सेवा संकल्प अभियान' को अधिक व्यापक एवं जनोन्मुखी बनाया जा सकता है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान की गतिविधियों में स्थानीय संस्कृति, लोक कलाओं, युवाओं और डिजिटल माध्यमों की सहभागिता को बढ़ावा दिया जाए, ताकि सेवा, विकास और जनभागीदारी का संदेश सहज एवं प्रभावशाली तरीके से आम नागरिकों तक पहुंचे।

#### नुक्कड़ नाटकों में दिखेगी बदलाव की कहानी

प्रदेश के महाविद्यालयों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों, सामुदायिक केन्द्र, पंचायत सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाएगा। इनके माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा इन योजनाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को भावपूर्ण एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। नुक्कड़ नाटकों में स्थानीय भाषा, लोककला, संगीत और प्रभावी संवादों का उपयोग किया जाएगा। स्कूल कालेज के विद्यार्थियों और युवाओं को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। वहीं सार्वजनिक स्थलों पर प्रस्तुतियां आयोजित कर आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

#### पर्यटन के माध्यम से दुनिया देखेगी बदलता छत्तीसगढ़

अभियान के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा देश और प्रदेश के इन्फ्लूएंसरों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में हुए विकास कार्यों, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार तथा प्रदेश की बदलती तस्वीर को लोगों तक पहुंचाने की पहल की जाएगी। इन्फ्लूएंसरों के माध्यम से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विकसित अधोसंरचना, पर्यटन सुविधाओं और विकास कार्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ के विकास की कहानी को व्यापक वर्ग तक पहुंचाने के साथ प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को भी राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाना है। डिजिटल माध्यमों की व्यापक पहुंच को देखते हुए इस पहल के जरिए युवाओं और सोशल मीडिया से जुड़े नागरिकों को अभियान से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा।

# सुबह शहर में निकलें अधिकारी, देखें जमीनी हकीकत और कराएं काम : अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने राज्य के सभी नगर निगमों तथा जिला मुख्यालय वाले नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में निगम आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शहरों के विकास, स्वच्छता, राजस्व वसूली, योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के साथ ही जवाबदेही से काम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय केवल बजट खर्च करने वाली संस्था नहीं, बल्कि शहर के भविष्य की योजनाएं बनाने, जनसुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नागरिकों की कल्याणकारी संस्था है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और संचालक नीलेशकुमार क्षीरसागर भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और पीएम स्वनिधि योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। उन्होंने नई संपत्तियों की पहचान करने और संपत्ति कर जमा करने के लिए ज्यादा से ज्यादा निकायों में आनलाइन भुगतान सुविधा विकसित करने कहा।

उप मुख्यमंत्री ने अवैध कब्जों और अतिक्रमणों का पता चलते ही तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने निगम आयुक्तों और सीएमओ को प्रतिदिन प्रातः भ्रमण कर साफ-सफाई की व्यवस्था और निर्माण कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए।

श्री साव ने नगरीय निकायों में अगले 50 वर्षों की जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए चिंतन शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य के जल संकट से बचने के लिए अभी से दीर्घकालिक रणनीति बनाकर काम करने की जरूरत है।

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि नगरीय निकायों का दायित्व केवल निर्माण कार्यों और योजनाओं को पूरा करना नहीं है, बल्कि शहर की व्यवस्थाओं का निर्बाध और सुचारू संचालन भी है। तेजी से हो रहे शहरीकरण और बढ़ती जनआकांक्षाओं के अनुरूप निकायों को भविष्य की जरूरतों का रोडमैप तैयार कर उस पर प्रभावी ढंग से अमल करना होगा।

प्रमुख सचिव ने शहरों में उपलब्ध खाली स्थानों का चिन्हांकन कर वहां सघन वृक्षारोपण कराने और 'अर्बन फारेस्ट' विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने फुटपाथों को अतिक्रमणमुक्त रखने और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों का गंभीरता और सक्रियता से पालन करने को कहा। साथ ही निर्माणाधीन सभी नालंदा परिसरों को शीघ्र शुरू करने तथा व्यवस्थाएं पूरी करने पर जोर दिया।

सूडा के सीईओ सुमित अग्रवाल, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता रमेश शर्मा सहित सभी नगर निगमों के आयुक्त, जिला मुख्यालय वाले नगरीय निकायों के सीएमओ, राजस्व अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता और संभागीय कार्यालयों के संयुक्त संचालक भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

# सेवा संकल्प अभियान : डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने की आशीर्वाद का दीया की तैयारियों की वर्चुअल समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने प्रभार वाले जिलों बस्तर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बालोद एवं दुर्ग में आगामी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में संबंधित जिलों के विधायकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, नोडल अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस की संध्या पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके तहत जिला एवं संभाग मुख्यालयों में सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जनभागीदारी और सामाजिक समरसता के साथ सेवा एवं संकल्प की भावना को मजबूत करने का अवसर होगा।

श्री शर्मा ने कलेक्टरों एवं संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के लिए उपयुक्त स्थान का चयन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल ऐसा हो, जहां अधिक से अधिक नागरिक सुविधाजनक रूप से शामिल हो सकें और आयोजन गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी करने तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर आयोजन की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आशीर्वाद का दीया' की भावना को जिला मुख्यालयों तक सीमित न रखते हुए सभी जिलों के नगरीय निकायों एवं विकासखंड मुख्यालयों में भी सामूहिक रूप से एक निर्धारित स्थान पर दीप प्रज्वलित करने की पहल की जाए। उन्होंने स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, नागरिकों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आयोजन को जनभागीदारी का स्वरूप देने पर जोर दिया।

श्री शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज और प्रशासन के बीच सहभागिता एवं सेवा भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थानीय सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों को अभियान से जोड़ते हुए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि सभी जिलों में आयोजन की तैयारियां समय पर पूरी हों और कार्यक्रम का उद्देश्य एवं संदेश समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर समुचित समन्वय एवं प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिलावार तैयारियों की जानकारी ली तथा आयोजन को सफल, गरिमापूर्ण एवं जनभागीदारीपूर्ण बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

# आंध्र और तेलंगाना से लौट रहे परिवारों का संवेदनशीलता के साथ किया जाए पुनर्वास

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना राज्यों में प्रवासित दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले के परिवारों के पुनर्वास की प्रगति की वर्चुअल समीक्षा की। उन्होंने माओवाद मुक्त बस्तर में अपने गांव वापस लौट रहे परिवारों के पुनर्वास को संवेदनशीलता एवं सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कमिश्नर श्री सिंह ने कहा कि माओवाद मुक्त बस्तर में विश्वास के साथ अपने गांव वापस लौट रहे परिवारों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन इन प्रवासित परिवारों के पुनर्वास के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पात्रता के आधार पर परिवारों को आवास सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने

के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन परिवारों को शासन की 31 व्यक्ति मूलक योजनाओं एवं 14 सामुदायिक योजनाओं से लाभान्वित करने की दिशा में सकारात्मक पहल की जा रही है।

कमिश्नर ने कहा कि प्रवासित परिवारों को वापस लौटने के लिए पुनर्वास प्रयासों की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए। उन्होंने संबंधित जिलों की ग्राम पंचायतों में नियमित शिविर आयोजित करने तथा वापस आने वाले परिवारों का सर्वे सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर श्री सिंह ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में नियमित रूप से प्रवासित परिवारों की जानकारी प्राप्त कर उसका संधारण किया जाए। इसके लिए संबंधित गांवों में बैठक आयोजित कर मांझी-मुखिया, समाज प्रमुख, पटेल-कोटवार, गायता-पुजारी, पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों से चर्चा की जाए तथा गांव से उक्त राज्यों में रह रहे परिवारों और वापस लौटने वाले परिवारों की विस्तृत जानकारी जुटाई जाए। उन्होंने कहा कि परिवारों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध होने से उनके पुनर्वास के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं योजनाएं समय पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कमिश्नर श्री सिंह ने पुनर्वास के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। प्रिंट एवं अन्य मीडिया माध्यमों के साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों में प्रवासित परिवारों से संबंधित सूचनाएं एवं सूची चस्पा करने तथा कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराने को कहा, ताकि अधिक से अधिक परिवारों तक शासन की पुनर्वास नीति और सुविधाओं की जानकारी पहुंच सके। वर्चुअल समीक्षा बैठक में दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा जिले के अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी जुड़े रहे।

# सक्ति में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में 734 श्रमिकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पहुंची सवा करोड़ की सहायता राशि

श्रीकंचनपथ समाचार

**सक्ति।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार श्रम विभाग द्वारा भव्य श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह मुख्य अतिथि रहे। विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत कुल 734 हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 1 करोड़ 25 लाख 39 हजार 500 रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई। साथ ही हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप डमी चेक प्रदान किए गए।

मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह ने कहा कि पंजीकृत निर्माण श्रमिक एवं उनके परिवार के सदस्यों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए 31 प्रकार के

जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। पंजीकृत निर्माण श्रमिक आगे बढ़कर योजनाओं को लाभ लेना सुनिश्चित करें। सक्ती जिले के बाराद्वार में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा श्रमिक सम्मेलन में डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों को लाभ प्रदान किया गया । मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना, महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना, मुख्यमंत्री मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, नौनीहाल छात्रवृत्ति एवं मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

अटल उत्कृष्ट योजना (सत्र 2026-27) के तहत चयनित 05 विद्यार्थियों और टॉप-10 में स्थान पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों के माता-पिता को मंच पर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में श्रमिकों को विभागीय योजनाओं की पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए शासन की योजनाओं से जुड़ने का प्रोत्साहन दिया गया। कार्यक्रम में सक्ती कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कमल किशोर पटेल, पूर्व विधायक श्री खिलावन साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

### 10 दिवसीय चक्रधर समारोह 14 सितम्बर से

**रायपुर।** संगीत सम्राट महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित प्रतिष्ठित 41 वां चक्रधर समारोह-2026 का आयोजन 14 से 23 सितंबर तक भव्य स्वरूप में किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस समारोह में शास्त्रीय नृत्य, गायन, वादन, लोककला, सुगम संगीत और साहित्यिक प्रस्तुतियों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। कलेक्टर एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि समारोह में देशभर के ख्यात कलाकार विभिन्न शास्त्रीय एवं लोक कलाओं की प्रस्तुतियां देंगे। इस अवसर पर एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, डिप्टी कलेक्टर श्री धनराज मरकाम, जनसंपर्क विभाग के अधिकारी तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

## 80S लुक ट्रेंड, अक्षय-रवीना की याद....

# किआरा और सिद्धार्थ मल्होत्रा का दिखा रेट्रो अंदाज

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने फैंस को एक झलक दिखाई है कि अगर वे 80 के दशक के बॉलीवुड कपल होते, तो कैसे नजर आते। जानिए पोस्ट में क्या कुछ है खास।

कियारा ने हाल ही में वायरल हो रहे इंस्टाग्राम ट्रेंड को फॉलो करते हुए एआई की मदद से अपनी और पति सिद्धार्थ की एक रेट्रो तस्वीर शेयर की है। विंटेज फैशन और पुराने बॉलीवुड के अंदाज से सजी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब पसंद की जा रही है।

### कियारा ने शेयर की सिद्धार्थ के साथ एआई से बनी तस्वीर

बुधवार को कियारा ने इंस्टाग्राम पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर शेयर की, जिसमें वह सिद्धार्थ के साथ 80S के अंदाज में नजर आ रही हैं। तस्वीर में सिद्धार्थ ने क्लासिक डबल-डेनिम लुक के साथ डार्क एविएटर सनग्लासेस पहने हुए हैं। वहीं, कियारा पफ स्लीव्स वाली चमकीली गुलाबी ड्रेस, बड़े हूप ईयररिंग्स और चूड़ियों में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

तस्वीर में दोनों का पूरा लुक पुराने जमाने के बॉलीवुड की याद दिला रहा है। कियारा ने इस पोस्ट के साथ सिद्धार्थ की आने वाली फ़िल्म 'द वन' का रोमांटिक गाना 'समझो ना' भी लगाया है।

### यूजर्स को आई अक्षय-रवीना की याद

तस्वीर सामने आते ही फैंस ने इस पर खूब प्यार बरसाया। एक फैन ने कमेंट करते हुए लिखा, 'क्या कमाल की जोड़ी है।' वहीं दूसरे ने लिखा, 'इनका रेट्रो एरा।' एक फैन ने तो दोनों की तुलना बॉलीवुड की एक और मशहूर जोड़ी से करते हुए लिखा, 'ये अक्षय कुमार और रवीना टंडन जैसे लग रहे हैं।'

### टॉक्सिक में नजर आईं कियारा

वर्कफ्रंट की बात करें, तो कियारा आडवाणी इन दिनों यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आ रही हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 14 दिनों में भारत में करीब 295 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। वहीं फिल्म दुनियाभर में 338 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।

### इस फिल्म में नजर आएंगे सिद्धार्थ

वहीं, सिद्धार्थ आने वाले दिनों में फिल्म 'द वन' में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। 'द वन' एक लोक थ्रिलर और माइथोलॉजिकल फिल्म होने वाली है, जिसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## मोहनलाल की बेटी विस्मया की पहली फिल्म 'थुडक्कम' अब ओटीटी पर होगी रिलीज

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल की बेटी विस्मया मोहनलाल ने फिल्म 'थुडक्कम' से बड़े पर्दे पर अभिनय की शुरुआत की है। जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन में बनी यह मलयालम एक्शन-थ्रिलर फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान खींचने में सफल रही। फिल्म में विस्मया ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि मोहनलाल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए हैं। अब सिनेमाघरों के बाद यह फिल्म ओटीटी मंच पर दस्तक देने जा रही है।

'थुडक्कम' 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के निर्माताओं ने अब इसके डिजिटल प्रदर्शन की तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी है। फिल्म 18 सितंबर 2026 से जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगी। ओटीटी मंच ने अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यम खाते के जरिए फिल्म की रिलीज की जानकारी साझा की है। ऐसे दर्शक जो 'थुडक्कम' को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे, वे अब घर बैठे फिल्म का आनंद ले सकेंगे।

'थुडक्कम' में आशीष जो एंटनी ने खलनायक की भूमिका निभाई है। फिल्म में नाटकीय घटनाओं के साथ कई प्रभावशाली कार्रवाई दृश्यों को भी शामिल किया गया है। विस्मया ने अपने किरदार के लिए मार्शल आर्ट्स से जुड़े दृश्यों को निभाया है, जो फिल्म का प्रमुख आकर्षण हैं। सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद अब फिल्म के ओटीटी मंच पर आने से इसकी पहुंच और अधिक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। 'थुडक्कम' की डिजिटल रिलीज 18 सितंबर 2026 को होगी। इसके साथ ही विस्मया मोहनलाल की पहली फिल्म को घर बैठे देखने का मौका दर्शकों को मिलने जा रहा है।

# क्या करीना के साथ एक और फिल्म करेंगे खिलाड़ी? र्थडे पर फैंस से मिले एक्टर.....

**अक्षय कुमार के जन्मदिन पर सितारों ने एक्टर को सोशल मीडिया के जरिए विश किया। उन्होंने अपने-अपने अंदाज में उनके लिए कैप्शन लिखे।**

अभिनेता अक्षय कुमार का 59वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर फैंस समेत को-स्टार्स और सेलेब्स ने भी अक्षय को बर्थ डे विश किया। करीना कपूर से लेकर जैकी श्रॉफ तक सोशल मीडिया पर एक्टर पर प्यार बरसाते नजर आए। वहीं अक्षय भी उनकी विशेज का रिप्लाई मजाकिया अंदाज में करते दिखे।

### करीना ने किया विश

अभिनेत्री करीना कपूर और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। अक्षय के जन्मदिन पर एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की। इसमें उन्होंने एक्टर से पूछा कि 'एक और गाना हो जाए?' इसके जवाब में अक्षय ने मजाकिया अंदाज में लिखा 'एक और फिल्म न हो जाए?'

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने सोशल मीडिया पर अक्षय को विश किया। उन्होंने एक्टर को विश करते हुए स्टोरी लगाई। इसमें उन्होंने अक्षय के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। इस स्टोरी को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे अक्षय'

### जैकी भगनानी ने की तारीफ

अभिनेता अक्षय कुमार के जन्मदिन पर उन्हें विश करते हुए एक्टर जैकी भगनानी ने उनकी काफी तारीफ की। उन्होंने लिखा 'आप एक ऐसे इंसान हैं जो मेहनत और फिटनेस का उदाहरण पेश करता है। आपके साथ काम करना सचमुच में एक सुनहरा अवसर था। आपका यह साल अच्छा जाए।' अहमद खान ने भी अक्षय कुमार के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा 'आपके आस-पास होना मजेदार चीज है। आपसे रोज स्वस्थ रहने के तरीके सीख रहा हूं। जन्मदिन की शुभकामनाएं अक्षय'

### राशी खन्ना और विद्या बालन का डांस

अभिनेत्री राशी खन्ना और विद्या बालन ने भी एक्टर को जन्मदिन पर विश किया। उन्होंने अक्षय के साथ एक डांस क्लिप शेयर की। इसे एक्टर ने री शेयर किया। इसके साथ लिखा, 'थेंक्यू सो मच लेडीज, हम कभी परवाह नहीं करते कि हम कहां हैं। अगर सब 'मौजा ही मौजा हो'

## बिटिया के बर्थडे पर दीपिका-रणवीर ने कराया मैटरनिटी शूट

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के घर जल्द ही फिर से किलकारी गूंजने वाली है। यह खूबसूरत जोड़ी अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाली है। दीपिका और रणवीर के एक बिटिया दुआ हैं, जो आज 08 सितंबर को दो साल की हुई हैं। दुआ के जन्मदिन पर कपल ने मैटरनिटी शूट कराया है और फोटोज साझा किए हैं। आज मंगलवार को रणवीर सिंह और दीपिका ने एक साझा इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने मैटरनिटी शूट की एक पूरी सीरीज साझा की है। तस्वीरों में कपल ने बेबी दुआ का चांद सा मुखड़ा भी दिखाया है। दीपवीर ने मैटरनिटी शूट की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में मम्मा का बेबी बंप देखकर दुआ शरमाती हुई नजर आ रही हैं। दुआ की मुस्कान ने फैंस का दिल चुरा लिया है।

# त्वचा के लिए फायदेमंद है ड्राई ब्रशिंग जानिए इससे मिलने वाले 5 फायदे

ड्राई ब्रशिंग एक ऐसी तकनीक है, जो त्वचा की देखभाल में मदद करती है। इसमें सूखे ब्रश से त्वचा को हल्के हाथों से रगड़ा जाता है। यह प्रक्रिया शरीर में खून के बहाव को बढ़ाती है और त्वचा को ताजगी देती है। यह शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में भी मदद करती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर निखार आता है और वह मुलायम बनती है। आइए जानते हैं कि ड्राई ब्रशिंग के 5 प्रमुख फायदे क्या हैं।



### बढ़ता है खून का बहाव

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की सतह पर हल्की-हल्की रेखाएं बनती हैं, जो खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती हैं। जब आप सूखे ब्रश से अपनी त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे खून की नसों में बहाव तेज होता है।

इस प्रक्रिया से त्वचा को अधिक ऑक्सीजन और जरूरी पोषण मिलता है, जिससे वह स्वस्थ और चमकदार दिखती है। त्वचा की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचने से उसकी ताजगी बनी रहती है और वह अधिक निखरी हुई लगती है।

### साफ होती है मृत त्वचा

ड्राई ब्रशिंग त्वचा पर जमा मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है। हमारी त्वचा पर हर दिन मृत त्वचा कोशिकाओं की परत बनती रहती है, जिसे हटाना जरूरी होता है, ताकि नई और स्वस्थ कोशिकाएं बन सकें।

सूखे ब्रश से रगड़ने पर ये मृत त्वचा कोशिकाएं आसानी से निकल जाती हैं और त्वचा साफ और निखरी हुई लगती है। यह प्रक्रिया त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाती है।

### विषाक्त पदार्थ होते हैं दूर

ड्राई ब्रशिंग शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। यह शरीर की सफाई करने वाले तंत्र को सक्रिय करती है, जो हमारे शरीर को अंदर से साफ रखने का काम करता है।

सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ने पर खून का बहाव तेज होता है, जिससे जहरीले तत्व आसानी से शरीर से बाहर निकलते हैं। इससे त्वचा को ताजगी मिलती है और वह अधिक स्वस्थ दिखती है।

### तनाव को कम करने में सहायक

ड्राई ब्रशिंग न केवल त्वचा पर असर डालती है, बल्कि यह मानसिक तनाव को भी कम करने में मदद करती है। जब आप नियमित रूप से ड्राई ब्रशिंग करते हैं तो यह प्रक्रिया आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक आराम महसूस होता है।

यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बनकर आपके जीवन में ताजगी लाती है। यह न केवल त्वचा को निखारती है, बल्कि आपके मूड को भी बेहतर बनाती है।

### त्वचा बनती है मुलायम और चमकदार

ड्राई ब्रशिंग से त्वचा की बनावट में सुधार होता है। जब आप सूखे ब्रश से त्वचा को रगड़ते हैं तो इससे त्वचा की सतह पर मौजूद गंदगी और तेल हट जाते हैं।

यह प्रक्रिया त्वचा को साफ और मुलायम बनाती है। साथ ही, त्वचा पर निखार आता है, जिससे वह प्राकृतिक रूप से चमकदार दिखती है। ड्राई ब्रशिंग से त्वचा पर नमी बनी रहती है और उसकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहती है।

# महिलाओं की सेहत के लिए लाभदायक सुपरफूड्स

आजकल महिलाएं नौकरी या बिजनेस और घर-गृहस्थी की दोहरी जिम्मेदारी संभालती हैं। व्यस्तता के चलते उनकी खुद की सेहत की अनदेखी हो जाती है। खासकर बढ़ती उम्र में उन्हें हार्मोनल बदलावों, हड्डियों की कमजोरी और तनाव से जुड़ी दिक्कतें आती हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, पोषक तत्वों से भरपूर कुछ 'सुपरफूड्स' इन समस्याओं से बचाव व समाधान में मददगार हैं।

### हार्मोनल संतुलन : अलसी और कद्दू के बीज

महिलाओं को पीएमएस, पीसीओडी और मेनोपॉज जैसी हार्मोनल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। 'न्यूट्रीशनल आउटलुक 2025' की रिपोर्ट में प्रकाशित शोध के अनुसार अलसी के बीजों में 'लिगनेन' पाया जाता है, जो शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन के स्तर को संतुलित करता है। वहीं, कद्दू के बीजों में भरपूर मैग्नीशियम, जिंक और ट्रिप्टोफैन होता है। यह मेनोपॉज के दौरान 'हॉट फ्लैशेस', चिड़चिड़ेपन और ऐंठन से राहत दिलाता है।

### एंटीऑक्सीडेंट व मेमोरी बूस्टर : जामुन और बेरीज

ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, जो महिलाएं अपनी डाइट में गहरे रंग के फल शामिल करती हैं, उनमें बढ़ती उम्र के साथ ब्रेन फॉग और याददाश्त कमजोरी की समस्या कम होती है। दरअसल जामुन और ब्लूबेरीज में 'एंथोसायनिन' और 'फ्लेवोनोइड्स' नामक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। ये कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाते हैं, झुर्रियां रोकते हैं और हार्ट अटैक के खतरे को कम करते हैं।

### हड्डियों के लिए लाभकारी सहजन

एक शोध के अनुसार, 85 फीसदी भारतीय महिलाओं में विटामिन-डी और कैल्शियम की भारी कमी है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ रहा है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मोरिंगा (सहजन की पत्तियां) सबसे पोषक तत्वों से भरपूर पौधों में शामिल है। इसमें दूध की तुलना में कई गुना अधिक कैल्शियम और प्रचुर मात्रा में आयरन होता है। इसी तरह केल और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन-के और फोलेट से भरपूर होती हैं। विटामिन-के कैल्शियम को हड्डियों में सोखने में मदद करता है, जिससे जोड़ों का दर्द दूर होता है।

### ब्रेस्ट व सर्विकल कैंसर : ब्रोकली

कैंसर रिसर्च यूके और वैश्विक ऑन्कोलॉजी सर्वे की नवीनतम रिपोर्टों में महिलाओं में ब्रेस्ट और सर्विकल कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई गई है। शोध बताते हैं कि खान-पान में बदलाव करके इस खतरे को टाला जा सकता है। ब्रोकली, बंदगोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियों में 'सल्फोराफेन' और 'इंडोल-3- कॉर्बिनोल' नामक तत्व पाए जाते हैं। ये यौगिक शरीर में कैंसर पैदा करने वाले विषाक्त पदार्थों को नष्ट करते हैं। पपीते में मौजूद लाइकोपीन भी इसमें मददगार साबित हुआ।

### हेल्दी हार्ट और त्वचा : एवोकैडो

महिलाओं में 40 की उम्र के बाद दिल की बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता है। इसके लिए हेल्दी फैट्स का सेवन जरूरी है। वैज्ञानिकों के अनुसार एवोकैडो और साल्मन मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड और मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाता है। चेहरे पर निखार लाता है।

### एनीमिया से मुक्तिः चुकंदर और क्विनोआ

कामकाजी महिलाओं में थकान और हीमोग्लोबिन की कमी हो सकती है। इनमें चुकंदर लाभदायक है। शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन बढ़ाता है, जिससे नसों में रक्त प्रवाह बेहतर होता है। क्विनोआ प्रोटीन अनाज है, जिसमें सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड पाए जाते हैं। यह ऊर्जा स्तर को तुरंत बढ़ाता है, मांसपेशियों की मरम्मत करता है और मासिक धर्म के दौरान कमजोरी दूर करता है।

### सही तरीका और समय जरूरी

अध्ययनों से साफ है कि कोई भी एक सुपरफूड जादुई गोली नहीं है। यदि आप अत्यधिक चीनी, प्रोसेस्ड फूड या तला-भुना खाती हैं, तो सिर्फ सुपरफूड खाने से लाभ नहीं होगा। इसलिए इन पोषक तत्वों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और गहरी नींद के साथ लें। यानी सुबह उठते ही गुनगुने पानी के साथ एक चम्मच भीगे हुए चिया सीड्स या अलसी के बीज लें। नाश्ते में क्विनोआ उपमा या मोरिंगा पाउडर मिला हुआ पराठा/चीला लें। लंच में दाल, रोटी के साथ उबली ब्रोकली या पालक की सब्जी और चुकंदर का सलाद लें। शाम के नाश्ते में एक मुट्ठी कद्दू बीज, बादाम और जामुन या बेरीज लें। डिनर में हल्का भोजन जैसे सूप, ग्रिल्ड सब्जियां या पनीर/मछली ले सकते हैं।

## मिर्जापुर द मूवी और हनुमान अंश ने मिलकर लूटा बॉक्स ऑफिस, टॉक्सिक की बत्ती गुल




अली फजल और पंकज त्रिपाठी की फिल्म मिर्जापुर द मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर 6 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म का भौकाल पहले दिन से दर्शकों के सिर पर चढ़कर बोल रहा था, जिसका असर वीकेंड की कमाई में देखने को मिला। वहीं, कारोबारी दिनों में आकर भी इसने दोहरे आंकड़ों में शानदार कारोबार किया है। दूसरी ओर, हनुमान अंश भी बराबर टक्कर दे रही है और मजबूती के साथ टिकी हुई है, जबकि टॉक्सिक का बुरा हाल है। सैकनिल्क के मुताबिक, मिर्जापुर- द मूवी ने रिलीज के चौथे दिन (सोमवार) 16 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वीकेंड पर इसने 93.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसके बाद फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 109.75 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, ग्रॉस कमाई 131.55 करोड़ रुपये हो गई है।

विश्व स्तर पर फिल्म ने अब तक कुल 154.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में दिव्येंदु, रवि किशन, रसिका दुग्गल, अभिषेक बनर्जी, जितेंद्र कुमार समेत कई सितारे मौजूद हैं। विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश ने एक महीने से ज्यादा समय बॉक्स ऑफिस पर निकाल दिया है और कमाई के मामले में यह लगातार चौंका रही है। सिर्फ 2 करोड़ रुपये बजट और बिना किसी बड़े स्टार के इसने 32वें दिन भी 10 करोड़ रुपये का दमदार कलेक्शन किया और अब तक 132.13 करोड़ रुपये कमा चुकी है। उधर, यश की फिल्म टॉक्सिक ने 13वें दिन महज 66 लाख कमाए, जिसके बाद कुल कलेक्शन 246.41 करोड़ रुपये हुआ है।

## खास खबर

### 17 सितंबर को घर घर में जलेगा आशीर्वाद का दीया

**जांजगीर-चांपा।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व एवं समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी का स्वरूप देने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जाएगा। जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। इसके तहत प्रत्येक परिवार को दीप प्रज्वलन से जोड़ने की पहल की जाएगी। प्रत्येक दीप को 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के संकल्प का प्रतीक बनाया जाएगा।

### सुकमा में लंबित पीएम आवासों पर प्रशासन सख्त

**सुकमा।** प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत स्वीकृत लेकिन अपूर्ण आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन ने मैदानी निगरानी तेज कर दी है। कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व एवं जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय टीम ने जनपद पंचायत सुकमा के सर्वाधिक लंबित प्रथम किस्त वाले तथा 300 से अधिक स्वीकृति वाले ग्राम पंचायतों में आवास निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया। जिला समन्वयक राकेश निराला एवं आवास समन्वयक पंकज कुटारे ने ग्राम पंचायत कोर्रा, जीरमपाल एवं गादीरास का भ्रमण कर अपूर्ण आवासों की स्थिति की समीक्षा की। टीम ने लंबित प्रथम किस्त वाले हितग्राहियों की स्थिति की जानकारी लेते हुए पात्र हितग्राहियों के आवास निर्माण तत्काल शुरू कराने तथा प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

## बीआईटी में महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता एवं स्टार्टअप अभिनंदन

# गवर्नर ने 72 महिला समूहों को सौंपा मिलेट हेल्थ कार्ट, 24 स्टार्टअप्स को इग्निशन ग्रांट

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, उद्यमिता एवं स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता एवं स्टार्टअप अभिनंदन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कुलाधिपति एवं प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका ने 72 महिला स्व-सहायता-समूहों को मिलेट हेल्थ कार्ट और 24 स्टार्टअप्स को इग्निशन ग्रांट वितरण किया।

समारोह में सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय, दुर्ग महापौर अल्का बाघमार और सहकार भारती के कलीराम शर्मा भी सम्मिलित हुए।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, पोषण सुरक्षा और स्वरोजगार के माध्यम से नए छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प है। उन्होंने कहा कि आज यहां दो महत्वपूर्ण यात्राओं का शुभारंभ हो रहा है, एक हमारी ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर नवाचारकर्ताओं के माध्यम से सपनों को उद्यम में बदलने प्रात्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा और तकनीकी ज्ञान की सार्थकता तभी है, जब वह समाज की वास्तविक आवश्यकताओं से जुड़कर रोजगार व उद्यमिता के नए अवसर पैदा करे। राज्यपाल ने कहा कि मिलेट से महिला उद्यमिता को नई दिशा मिल रही है।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मिलेट को पारंपरिक अनाज 'श्री अन्न' के रूप में इसे सहकारिता के साथ जोड़कर जन-जन तक पहुँचाया है। प्रधानमंत्री जी पहल पर वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान के साथ महिला समूह को जोड़कर मिलेट खाद्यान को सभी के सहयोग से जन-जन तक पहुंचाना है। विधायक श्री ललित चंद्राकर ने आज के इस आयोजन को विकसित भारत निर्माण की मजबूत शुरूआत बताते हुए कहा कि एसएचजी के माध्यम से महिलाएं सशक्त एवं आर्थिक रूप से मजबूत होने जा रहीं हैं। स्टार्टअप के माध्यम से युवाओं में विश्वास जागृत हुआ है। उन्होंने सरकार की योजनाओं से जुड़कर युवाओं को स्वावलंबी बनने का आह्वान किया।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि स्टार्टअप योजना छत्तीसगढ़ के विकास में रीढ़ की हड्डी साबित हुई है।

महापौर अल्का बाघमार और सहकार भारती के कलीराम शर्मा ने भी संबोधित किया।

आरंभ में सीएसवीटीयू के कुलपति डॉ. अरूण अरोड़ा ने स्वागत उद्बोधन में आयोजन के उद्देश्य, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता विकास और नवाचार पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों के प्रध्यापकगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में महिला स्व-सहायता-समूह की बहनें व युवा वर्ग उपस्थित थे।

### महिला स्वावलंबी बनती है तब परिवार मजबूत होता है

छत्तीसगढ की कृषि परंपरा में मिलेट अर्थात मोटे अनाज का विशेष महत्व रहा है। आज वहीं पारंपरिक 'श्री अन्न' (मिलेट) पोषण के साथ-साथ अब आय का नया जरिया बन रहा है। मिलेट पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ किसानों, ग्रामीण परिवारों और महिला उद्यमियों के लिए आय के अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। महिला स्व-सहायता समूह की बहनों को नि:शुल्क मिलेट हेल्थ कार्ट प्रदान किए जाने के साथ ही उन्हें एक सक्षम व्यावसायिक इकाई के रूप में विकसित करने के लिए उत्पाद निर्माण, एफएसएसएआई मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण, व्यवसाय प्रबंधन और विपणन का संपूर्ण प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। राज्यपाल ने महिला स्व-सहायता-समूहों को आत्मनिर्भरता से जोड़ने की इस पहल पर बल देते हुए बताया कि जब एक महिला स्वावलंबी बनती है तो उसका परिवार मजबूत होता है और पूरे समुदाय में आत्मविश्वास पैदा होता है।

### प्रारंभिक असफलताओं से हतोत्साहित न हों उद्यमी

राज्यपाल ने कहा कि 24 नवाचार-आधारित स्टार्टअप्स को कुल 50 लाख की इग्निशन ग्रांट प्रदान की जा रही है। नवाचार के मार्ग में असफलताएं स्वाभाविक हैं, लेकिन उनसे सीखकर निरंतर आगे बढ़ना ही एक सफल उद्यमी की पहचान है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं परंपरागत रूप से श्रम, कौशल और उद्यमशीलता की मिसाल बन रही हैं, महिला स्व- सहायता समूहों ने गांवों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी है। अब आवश्यकता इस बात की है कि उनके पारंपरिक कौशल को आधुनिक प्रशिक्षण, तकनीक, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ा जाए। श्री डेका ने सीएसवीटीयू के ज्ञान और संसाधनों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि सीएसव्हीटीयू-फोर्टे (फाउंडेशन फॉर रूरल टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप) आने वाले समय में ग्रामीण उद्यमिता, महिला स्वावलंबन और तकनीकी नवाचार का एक मजबूत केंद्र बनेगा।

# भविष्य के शहरों की नींव रखेंगे युवा टाउन-कंट्री प्लानर : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** शहरों का विकास केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों के अनुरूप किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के 21 नवचयनित सहायक संचालकों (योजना) को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवचयनित अधिकारियों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद पहली बार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई है। यह नियुक्ति विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ प्रदेश में तेजी से हो रहे शहरीकरण को सुनियोजित दिशा देने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवचयनित अधिकारियों के माता-पिता और परिजनों को भी विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर योग्य बनाना और उन्हें जिम्मेदार पद पर प्रदेश तथा जनता की सेवा करते देखना प्रत्येक माता-पिता के लिए गर्व और प्रसन्नता का अवसर होता है। आज इन युवाओं के जीवन में नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है और इसके साथ उनके परिवारों की अपेक्षाएं तथा प्रदेश की आशाएं भी जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। गांवों से शहरों की ओर आबादी का विस्तार होने के साथ नगरों की सीमाएं बढ़ रही हैं और प्रमुख सड़कों तथा शहरों के आसपास नई बसाहटें विकसित हो रही हैं। आने वाले वर्षों में यह गति और तेज होगी। ऐसे में आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक गतिविधियों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, परिवहन, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए दीर्घकालीन एवं वैज्ञानिक योजना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नवचयनित अधिकारियों से कहा कि टाउन प्लानिंग केवल नक्शे बनाने या भू-उपयोग तय करने का कार्य नहीं है। एक अच्छी योजना शहर को व्यवस्थित बनाती है, नागरिक सुविधाओं को सुलभ करती है और भविष्य में अनियोजित विस्तार से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रोकती है।

### पारदर्शिता का लाभ जनता तक पहुंचाएं : वित्त मंत्री चौधरी

वित्त तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सुनियोजित शहरीकरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अर्थव्यवस्था के विकास के साथ शहरी आबादी और शहरों का विस्तार बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए भविष्य की आवश्यकताओं का पहले से आकलन कर आधुनिक और वैज्ञानिक टाउन प्लानिंग करना समय की आवश्यकता है।

### नई पीढ़ी की ऊर्जा से विकास को मिलेगी नई गतिः केदार कश्यप

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों की नियुक्ति प्रदेश के सुनियोजित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। नई पीढ़ी के अधिकारियों का ज्ञान, ऊर्जा और आधुनिक दृष्टिकोण विभाग की कार्यक्षमता को बढ़ाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवचयनित अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनेंगे।

कार्यक्रम में विभागीय सचिव अंकित आनंद, आयुक्त अवनीश शरण सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, नवचयनित सहायक संचालक उपस्थित थे।

### ढाई साल में15 हजार से अधिक को सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में विभिन्न विभागों में 15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। पुलिस विभाग में 7 हजार से अधिक और शिक्षा विभाग में 3 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। बिजली विभाग में भी 1200 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए अवसरों का दायरा केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं है। राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति में रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं। रोजगार मेलों, निजी क्षेत्र, स्वरोजगार और उद्यमिता के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और रुचि के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिले।

# रंग परब नाट्य श्रृंखला का भव्य शुभारंभ रोजाना दो नाटकों की होगी भव्य प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** तीन दिवसीय 'रंग परब नाट्य श्रृंखला' का शुभारंभ बुधवार को मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस, घड़ी चौक रायपुर में हुआ। 9 से 11 सितंबर तक आयोजित इस नाट्य श्रृंखला में प्रतिदिन दो नाटकों की रंगमंचीय प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। आयोजन में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं और पौराणिक कथाओं को रंगमंच के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का जीवंत दर्पण है। रंगमंच हमारी संवेदनाओं, संघर्षों और सामाजिक सरोकारों को प्रभावशाली ढंग से सामने लाता है। कलाकार अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से दर्शकों को सोचने, समझने और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि नाटक हमारी संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों को भी समृद्ध करने का सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कवि मीर अली मीर, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार विजय मिश्रा, फिल्म बोर्ड की सदस्य श्रीमती प्रसन्ना अवस्थी तथा समाजसेवी उदयभान चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नाट्य श्रृंखला की पहली प्रस्तुति 'मया के मुंदरी' रही, जिसका मंचन रिखी क्षत्रिय एवं समूह द्वारा किया गया। दहेज प्रथा पर केंद्रित इस प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस तरह धन-संपत्ति का लालच विवाह जैसे पवित्र रिश्ते को रिश्ते से सौदेबाजी में बदल देता है।

नाट्य श्रृंखला की दूसरी प्रस्तुति 7वीं शताब्दी की संस्कृत उत्तरकथा 'हरित सागर' पर आधारित रही। इस नाटक के लेखक एवं निर्देशक किशोर वैभव हैं। पौराणिक कथा पर आधारित इस प्रस्तुति ने दर्शकों को एक अलग ही रंगमंचीय संसार से परिचित कराया।

# 'मन की बात' छिपाएं नहीं, साझा करें केरलापाल में चलाया मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

**सुकमा।** जंगल और दूरस्थ गांवों के बीच रहने वाला कोई व्यक्ति जब भीतर से टूट रहा हो, तो उसकी खामोशी को समझना भी समाज की जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर केरलापाल थाना परिसर में बुधवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश गूंजा। 'बातचीत की शुरुआत करें' थीम के साथ आयोजित इस अभियान में पुलिस जवानों, स्वास्थ्यकर्मियों और ग्रामीणों को मानसिक तनाव, अवसाद और आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे लोगों की पहचान कर समय पर मदद पहुंचाने के लिए जागरूक किया गया।

कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके सिंह तथा सिविल सर्जन डॉ. एमआर कश्यप के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य समिति, सुकमा द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत यह आयोजन किया गया।

# अवैध रेत कारोबार पर खनिज विभाग की सख्ती, तीन ट्रैक्टर जब्त

**एमसीबी।** जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने 09 सितम्बर 2026 को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाते हुए अवैध रेत परिवहन के मामले में 03 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है।

खनिज विभाग की टीम द्वारा तहसील मनेंद्रगढ़ के नागपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन कर रहे 02 नग ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया। जब्त दोनों ट्रैक्टरों को सुरक्षा की दृष्टि से थाना पोड़ी, चौकी नागपुर में रखा गया है।

इसी तरह खनिज विभाग की टीम ने नारायणपुर क्षेत्र के चटनीया नाला में भी कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन कर रहे 01 ट्रैक्टर वाहन को जब्त किया। उक्त वाहन को आवश्यक कार्रवाई के लिए कार्यालय कलेक्टर परिसर में खड़ा कराया गया है। जब्त वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

# भूजल दोहन में अब कोई क्रिटिकल विकासखंड नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** जल संरक्षण और भूजल प्रबंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में अब एक भी विकासखंड भूजल दोहन की 'क्रिटिकल' श्रेणी में नहीं है। भूजल संसाधन आकलन-2026 में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। वर्ष 2020 में प्रदेश के 9 विकासखंड क्रिटिकल श्रेणी में थे और वर्ष 2025 तक भी 5 विकासखंड इस श्रेणी में बने हुए थे। वर्ष 2026 के आकलन में ये सभी पांच विकासखंड क्रिटिकल श्रेणी से बाहर आ गए हैं।

इतना ही नहीं, इस आकलन चक्र में प्रदेश के 12 विकासखंडों की भूजल श्रेणी में सुधार दर्ज किया गया है, जबकि एक भी विकासखंड की स्थिति नहीं बिगड़ी है। विकासखंडवार भूजल आकलन प्रारंभ होने के बाद यह छत्तीसगढ़ का अब तक का सबसे बड़ा एक-चक्रीय सुधार है। प्रदेश में सुरक्षित विकासखंडों की संख्या बढ़कर अब 127 हो गई है।

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड और राज्य भूजल सर्वेक्षण मंडल द्वारा संयुक्त रूप से तैयार भूजल संसाधन आकलन-2026 को राज्य स्तरीय भूजल आकलन एवं प्रबंधन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'जन शक्ति से जल शक्ति' के आह्वान और उनके द्वारा प्रारंभ किए गए 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान ने प्रदेश में जल संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा और व्यापकता प्रदान की है। शासन के विभिन्न विभागों, जिला प्रशासन, किसानों और आम नागरिकों की भागीदारी से जल संरक्षण का प्रयास आज एक व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रदेश के किसानों, नागरिकों और मैदानी अमले को देते हुए कहा कि यह परिणाम केवल शासन की नीतियों का नहीं, बल्कि जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प का परिणाम है।

श्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि महानदी भवन में नहीं, बल्कि खेतों और गांवों में हासिल हुई है। इसका सबसे बड़ा श्रेय बेमेतरा और राजनांदगांव सहित प्रदेश के उन किसानों को जाता है, जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों की जल सुरक्षा के लिए अपने खेती के तौर-तरीकों में बदलाव स्वीकार किया। हमारे मैदानी अमले ने भी मौसम-दर-मौसम किसानों के साथ मिलकर निरंतर काम किया।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### अवैध रेत कारोबार पर खनिज विभाग की सख्ती

**एमसीबी।** जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने 09 सितम्बर 2026 को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाते हुए अवैध रेत परिवहन के मामले में 03 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है। खनिज विभाग की टीम द्वारा तहसील मनेंद्रगढ़ के नागपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन कर रहे 02 नग ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया। जब्त दोनों ट्रैक्टरों को सुरक्षा की दृष्टि से थाना पोड़ी, चौकी नागपुर में रखा गया है। इसी तरह खनिज विभाग की टीम ने नारायणपुर क्षेत्र के चटनीया नाला में भी कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन कर रहे 01 ट्रैक्टर वाहन को जब्त किया। उक्त वाहन को आवश्यक कार्रवाई के लिए कार्यालय कलेक्टर परिसर में खड़ा कराया गया है।

### बिस्तर में छिपा था जहरीला सांप, डसने से 10 साल के बच्चे की मौत

**बिलासपुर।** तोरवा थाना क्षेत्र के नयापारा में दर्दनाक हादसा सामने आया है। बिस्तर में छिपे जहरीले सांप के डसने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक गौरव चंद्राकर (10) रात में सोने के लिए अपने बिस्तर पर गया था। इसी दौरान बिस्तर में मौजूद जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप के डसते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने बिना देर किए उसे अस्पताल पहुंचाया। गौरव की हालत गंभीर होने पर उसे सिम्स बिलासपुर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज किया जा रहा था, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

### बिट्टू फैमिली ढाबे की खाद्य अनुज्ञप्ति 10 दिनों के लिए निलंबित

**बीजापुर ।** नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित गुप्ता द्वारा बीजापुर जिले में स्थित थाना के सामने, मेन रोड किनारे संचालित मेसर्स बिट्टू फैमिली ढाबा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में साफ -सफाई, स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के समय खाद्य अनुज्ञप्ति प्रदर्शित नहीं की गई थी। खाद्य सामग्री एवं रॉ-मटेरियल के भंडारण के लिए उचित व्यवस्था नहीं पाई गई।

# अमित भंडारी हत्याकांड की गुत्थी सुलझी, महिला समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

**जांजगीर-चांपा।** जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम कोसा में करीब दो महीने पहले हुए अमित भंडारी हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। एसपी विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों, सीडीआर, टावर डंप, सीसीटीवी फुटेज, जीपीएस और ट्रैकर डॉग की मदद से मामले का खुलासा किया। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि अमित

भंडारी का संतोषी सिंह से शादी से पहले से प्रेम संबंध था। शादी के बाद भी दोनों के बीच बातचीत जारी थी। घटना की रात भी दोनों के बीच करीब रात 1:30 बजे तक फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद अमित करीब 2:30 बजे संतोषी से मिलने उसके घर के पीछे पहुंचा। इसी दौरान संतोषी का भाई बजरंग सिंह टेंट का काम खत्म कर घर लौटा। घर के पीछे से आवाज सुनकर वह वहां पहुंचा और अमित को अपनी बहन के साथ देख लिया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद और मारपीट शुरू हो गई।

मारपीट के दौरान अंधेरे में अमित का सिर दीवार से टकरा गया। जान बचाने के लिए अमित दीवार फांदकर भागने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बजरंग ने पास पड़े छोटे फावड़े से उसके सिर और छाती पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से अमित की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद बजरंग ने शव को घर के पीछे बाड़ी में छिपा दिया। संतोषी ने भी शव छिपाने में भाई की मदद की। अगले दिन उसका बड़ा भाई पप्पू सिंह गांव पहुंचा, जिसे बजरंग ने पूरी घटना बताई। इसके बाद दोनों भाइयों ने पुलिस को गुमराह करने की योजना बनाई और परिजनों के साथ अमित की तलाश करने का नाटक किया। बाद में मुलमुला थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई।

जांच के दौरान बिलासपुर से बुलाए गए ट्रैकर डॉग विमला ने पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग दिया। मृतक के शव को सूंघने के बाद विमला आरोपी संतोषी के घर जाकर बैठ गई। पुलिस के लिए यह पहली महत्वपूर्ण लीड साबित हुई। इसके अलावा पुलिस ने सीडीआर, आईपीडीआर, टावर डंप, जीपीएस, सीसीटीवी फुटेज और घटना के समय संदिग्धों की लोकेशन की बारीकी से जांच की। पूछताछ में आरोपियों ने बार-बार अपने बयान बदले।

इसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच के साथ पॉलीग्राफ ब्रेन मैपिंग और नार्को टेस्ट से जुड़े परीक्षणों को भी जांच में शामिल किया। पुलिस के मुताबिक संतोषी सिंह के नार्को टेस्ट के बाद दोबारा कड़ाई से पूछताछ की गई, जिसमें उसने घटना से जुड़ी जानकारी स्वीकार की।

# 2 साल की भतीजी को जलते चूल्हे में डाला, भाभी को लेकर भागा

श्रीकंचनपथ समाचार

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पारिवारिक विवाद के दौरान चाचा ने अपनी 2 साल की भतीजी को जलते लकड़ी के चूल्हे में बैठा दिया।

बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई और बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दरअसल, देवर अपनी भाभी को लेकर भाग गया था। बाद में लौटने के बाद दोनों के बीच विवाद हुआ।

इसी दौरान देवर ने गुस्से में भतीजी को जलते चूल्हे में डाल दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है।

### देवर और भाभी का था लव अफेयर

आरोपी का नाम नितिन कुमार लोनिया है। वह घुटकू गांव का रहने वाला है।

नितिन का अपनी भाभी अंकिता से अफेयर था। अंकिता

अपने पति और दो साल की बेटी परमेश्वरी के साथ रहती थी। 26 अगस्त को अंकिता अपनी बेटी को लेकर नितिन के साथ घर से चली गई। काफी तलाश के बाद भी तीनों का पता नहीं चला तो बच्ची के नाना ने कोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

जांच के दौरान पुलिस को तीनों की जानकारी मिली। इसके बाद 7 सितंबर को नितिन, अंकिता और बच्ची घुटकू लौट आए।

### विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस

टीआई जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को नितिन का अपने बड़े भाई सुधीर से विवाद होने की जानकारी मिली थी। कुछ देर बाद नितिन का किसी बात को लेकर अपनी भाभी से भी विवाद हो गया।

मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और विवाद शांत कराया। पुलिस के पहुंचने पर जानकारी मिली कि नितिन ने अपनी दो साल की भतीजी को जिंदा जला दिया है। उसने बच्ची को जलते हुए लकड़ी के चूल्हे में बैठा दिया था। इससे बच्ची बुरी तरह झुलस गई। हालत गंभीर होने पर पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था, लेकिन देर रात बच्ची ने दम तोड़ दिया।

### पहले गुमशुदगी, फिर अपहरण और अब हत्या का मामला

मामले में घटनाक्रम लगातार बदलता रहा। बच्ची और उसकी मां के घर से चले जाने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की। दोनों के वापस लौटने के बाद 8 सितंबर को भाभी-देवर और भाई-भाई के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान बच्ची के झुलसने की घटना सामने आई। बच्ची की मौत के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की नए सिरे से जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी नितिन को गिरफ्तार कर लिया है।

# रायगढ़ में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवती से रेप, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने इंस्टाग्राम पर उससे दोस्ती की और शादी का भरोसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद शादी की तैयारी के नाम पर उससे 45 हजार रुपए भी लिए और शादी से इनकार कर दिया। शिकायत के बाद पुसौर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक सोमवार को 19 वर्षीय युवती ने थाना पुसौर में ग्राम बुनगा निवासी अनिल कुमार साव (24) के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। युवती ने बताया कि साल 2025 में अनिल ने उसे इंस्टाग्राम पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। युवती ने रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली। इसके बाद दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर बातचीत होने लगी। इसी दौरान अनिल ने युवती से प्रेम का इजहार किया और उससे शादी करने और पत्नी बनाकर रखने का भरोसा दिलाया। युवती के मुताबिक 15 अक्टूबर 2025 को अनिल ने उसे पटेलपाली कॉलेज के पास मिलने बुलाया। इसके बाद वह उसे एक होटल में ले गया, जहां उसकी इच्छा के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने आरोप लगाया कि शादी का भरोसा देकर आरोपी ने मई 2026 तक अलग-अलग जगहों पर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती शादी के लिए दबाव बनाती थी, तो अनिल उससे विवाद कर उसे भगा देता था। युवती ने पुलिस को बताया कि अनिल ने शादी की तैयारी के नाम पर उससे 45 हजार रुपए भी लिए थे। बाद में उसने शादी करने से साफ इंकार कर दिया। जब युवती ने रकम वापस मांगी, तो अनिल गाली-गलौज करने लगा और मारपीट की धमकी दी। इसके बाद युवती को समझ आया कि अनिल उससे शादी नहीं करेगा। उसने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी और उनकी सलाह पर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के बाद पुसौर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 69 BNS के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने महिला पुलिस अधिकारी से युवती का कथन दर्ज कराया।

# सट्टा-पट्टी लिखते आरोपी गिरफ्तार, 12,400 रुपये की सामग्री जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

**कांकेर।** उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस ने अवैध जुआ-सट्टा गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे उजियारा अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सट्टा-पट्टी लिख रहे एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। थाना सिटी कोतवाली और साइबर सेल कांकेर की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मोखलामांझी, अन्नपूर्णापारा कांकेर क्षेत्र में एक व्यक्ति विभिन्न अंकों पर रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और एक व्यक्ति को सट्टा-पट्टी लिखते हुए पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कमलेश सोनी (41 वर्ष), निवासी अन्नपूर्णापारा, कांकेर बताया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 3 नग सट्टा-पट्टी, एक नीले रंग का डाट पेन, 2,400 रुपये नगद और रेडमी कंपनी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने कुल 12,400 रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने सट्टा खेलना और खिलाना स्वीकार किया। इसके बाद उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 के तहत अपराध क्रमांक 312/2026 दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक उत्तर बस्तर कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन और एसडीओपी हरीश पाटिल के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध नशा, जुआ और सट्टा गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार साहू, प्रधान आरक्षक नोहरू राम नेताम, आरक्षक संतोष मरकाम, चन्द्रशेखर वट्टी और अनिल मरकाम की भूमिका रही। साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र साहू, प्रधान आरक्षक सचिन शोरी, नारद देवांगन, यशवंत, ज्ञानचंद, भूपेश तथा महिला आरक्षक असमोतिन और निर्मला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। कांकेर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने कहा है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

# अवैध शराब बेच रहे आरोपी को आबकारी विभाग ने किया गिरफ्तार

**6.09 लीटर अवैध शराब और पिकअप वाहन जब्त, आरोपी को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया**

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोरिया।** कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन कार्रवाई करने के निर्देश आबकारी विभाग को दिए हैं। निर्देशों के पालन में जिला आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक 124 आपराधिक प्रकरणों में 306 लीटर अवैध शराब तथा 280 किलोग्राम शराब निर्माण सामग्री (लाहन) जब्त की गई है। साथ ही अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त एक पिकअप, दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी सहित चार वाहन भी जब्त किए गए हैं।

इसी क्रम में आबकारी विभाग को बंजारीडांड से सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर अवैध शराब पहुंचाकर बिक्री की जा रही है। सूचना पर आबकारी टीम ने तत्काल वाहन की लोकेशन पता कर मौके पर पहुंचकर गवाहों की उपस्थिति में पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 16 सीएच 9445 की विधिवत तलाशी ली।

तलाशी के दौरान चालक की सीट के पास रखी बोरी में 26 बोतल अवैध शराब पाई गई। इनमें 21 पाव गोवा व्हिस्की, 2 पाव देशी मदिरा प्लेन तथा 3 बोतल कंगारू बीयर शामिल थीं। पूछताछ में वाहन चालक राधेश्याम ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से ग्राहकों की मांग पर शराब दुकानों से शराब की बोतलें लाकर उन्हें उपलब्ध कराता था। उसने यह भी बताया कि घटना के दिन कुछ बोतलें जंगल क्षेत्र में ग्राहकों को बेचकर आया था। सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने वाहन जब्त कर प्रकरण की विवेचना की। आरोपी राधेश्याम पिता शिवप्रसाद तेली, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम बंजारीडांड, थाना पोड़ी-बचरा, जिला कोरिया के विरुद्ध 6.09 लीटर अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री के मामले में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय बैकुंठपुर में प्रस्तुत किया गया। सीजेएम न्यायालय ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक अभिरक्षा में कोरिया जेल भेजने का आदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में 5 लीटर से अधिक मात्रा में अवैध शराब के परिवहन के मामलों में जब्त वाहन को राजसात करने के लिए छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 47 के तहत प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है। दोषसिद्धि होने पर आरोपी को एक से तीन वर्ष तक के कारावास तथा 25 हजार से 1 लाख रुपये तक के जुर्माने से दंडित किया जा सकता है। अपराध की पुनरावृत्ति पर दो से पांच वर्ष तक का कारावास तथा 50 हजार से 2 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। आबकारी विभाग द्वारा शराब दुकानों में ऑनलाइन एवं कैशलेस भुगतान को बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्राहकों को दुकानों पर यूपीआई, बारकोड और एटीएम के माध्यम से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हालांकि कुछ दुकानों में नेटवर्क संबंधी समस्या भी सामने आती है। आबकारी अधिकारी ने जानकारी दी है कि ग्राहक 'मनपसंद' मोबाइल एप के माध्यम से जिलेवार, दुकानवार, ब्रांडवार एवं लेबलवार विक्रय दर की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बोतल पर लगे होलोग्राम को स्कैन कर ग्राहक दुकान का नाम, विक्रय दर के साथ-साथ बोतल के ओरिजनल अथवा डुप्लीकेट होने की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

## नाम परिवर्तन

मैं आनंद कुमार (ANAND KUMAR) सुपुत्र संत राम (SANT RAM) निवासी क्वार्टर नं 5/बी स्ट्रीट 35 सेक्टर 11 जोन 2 खुर्सीपार भिलाई पिन कोड 490011 तह व जिला दुर्ग (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ एतद्वारा मैं पूर्णत: पुष्टि करता करती हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ। मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ। मेरे आधार कार्ड नंबर 8 510950370904 में त्रुटिवश नाम आनंद कुमार मारकंडे (ANAND KUMAR MARKANDEY) पिता संत राम मारकंडे (SANT RAM MARKANDEY) दर्ज हो गया है। मेरे मार्कशीट में आनंद कुमार (ANAND KUMAR) पिता संत राम (SANT RAM) दर्ज है जो की मेरा सही नाम है। मेरे मार्कशीट में दर्ज आनंद कुमार (ANAND KUMAR) पिता संत राम (SANT RAM) एवं आधार कार्ड में दर्ज आनंद कुमार मारकंडे (ANAND KUMAR MARKANDEY) पिता संत राम मारकंडे (SANT RAM MARKANDEY) दोनों नाम एक ही व्यक्ति का नाम है। अर्थात मेरा ही नाम है ये दोनों नाम किसी अन्य व्यक्ति का नाम नही है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए मैं पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

आनंद कुमार
क्वार्टर नं 5/बी स्ट्रीट 35
सेक्टर 11 जोन 2
खुर्सीपार भिलाई

# कार्यालय कलेक्टर जिला बालोद ( छ.ग. )

**// सार्वजनिक सूचना //**

क्रमांक / 7450 / कले./ भू-अर्जन/भू.क्र.नी./2026 बालोद दिनांक 03/09/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति, 2016 के तहत् कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग दुर्ग द्वारा अनुविभाग बालोद जिला बालोद अंतर्गत दुर्ग-दल्लीराजहरा रेल लाईन के रेलवे क्रासिंग क्र. डी.डी.-50 (पाररास) पर रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य के लिये ग्राम पाररास, प.ह.नं.-30, रा.नि.मं.-बालोद, तहसील-बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.) के निम्नानुसार भू-धारकों की भूमि की आवश्यकता होने से कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग दुर्ग के पक्ष में क्रय किए जाने पर विचार किया जा रहा है:-

| क्रं. | भू-धारक का नाम | खसरा नं. | कुल रकबा (हे.में.) | क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा (हे.) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | कृष्णकुमार सिंह, शिवकुमार सिंह, राजकुमार सिंह, पिता ईश्वरसिंह, जाति-राजपूत | 166 का टु. | 0.3400 | 0.01296 |
| | | 177/1 | 0.3400 | 0.01405 |
| | | 179/6 | 0.1790 | 0.00140 |
| | | | | 0.00156 |
| | | | | 0.00960 |
| | | 301/1 | 0.0370 | 0.00070 |
| | | 303/1 | 0.1100 | 0.02770 |
| | | 307/1 | 0.6110 | 0.00499 |
| 2 | सुनील कुमार साहू, पिता स्व. पोषूराम साहू | 743/17 | 0.0400 | 0.00320 |
| 3 | हलीमा बेगम पति मो. रज्जाक, मो. अमजद उर्फ राजू, मो. जावेद, मो. जुनेद, पि. मो. रज्जाक, जाहिद उर्फ मोनू पिता मो. रज्जाक, जाति-मुसलमान | 743/4 | 0.0370 | 0.00344 |
| 4 | लखनसिह, किशनसिह, पिता गजराज | 743/5 | 0.0810 | 0.00560 |
| | | 743/1 | 0.0190 | 0.00224 |
| 5 | अशोककुमार, अरूणकुमार, आशाबाई, पिता छोटूराम | 743/10 | 0.0320 | 0.00564 |
| 6 | कोमल, देवकुमार, अनुपकुमार, पिता जिवराखन | 743/18 | 0.0080 | 0.00196 |
| 7 | योगेश कुमार साहू पि. शंकर लाल साहू, जाति-तेली | 743/8 | 0.0040 | 0.00168 |
| 8 | डोमेन्द्र कुमार, बेनूराम, रूखमणी, पि. राम्हूराम, शांतिबाई बे. राम्हूराम, जाति-तेली | 378/10 | 0.0160 | 0.00345 |
| 9 | राजेशकुमार, पिता गुहरीराम हेमकांता, पिता गुहरीराम, जाति-तेली | 379/2 | 0.0280 | 0.00814 |
| 10 | हीराराम, बलराम पि. बन्नूराम, बंशीलाल नाबा बन्नूराम पामा शंतिबाई, रूखमनीबाई बे बन्नूराम, अमरिकाबाई पि बन्नूराम, शांतिबाई बे बन्नूराम | 378/1 | 0.2450 | 0.00573 |
| 11 | खेतमल, शंकरलाल पि. भोमराज, जाति -जैन | 379/3 379/4 | 0.1250 | 0.01543 |
| 12 | सेवन्तलाल पिता दौलतराम | 379/6 | 0.0080 | 0.00125 |
| 13 | रेखा साहू पिता कुलपत | 747 | 0.5260 | 0.03000 |
| 14 | दीपक उपाध्याय, पिता रामराज उपाध्याय जाति-ब्राम्हण | 306 | 0.3640 | 0.01513 |
| 15 | नारायण , परनिया, बिमला पिता सुकलाल , नहरसिंह , राम्हू, केसरीराम पिता सुखीराम , राहुल, भगवंतीन पिता संतोष कुमार , मीना, सरिता, दुलौरिन, मनटोरा पिता धोण्डूराम | 382/2 | 0.0200 | 0.01000 |
| 16 | सुभरन बाई पति नीरसिंह, महेन्द्र कुमार, हीराचंद, पिता सुखदेव, मोतिमबाई, अल्पना, पिता सुखदेव कुसमाबाई बे. सुखदेव, जाति-अन्य पिछड़ा वर्ग | 304 | 0.0080 | 0.00656 |
| | | 305 | 0.0080 | 0.00360 |
| 17 | एमनसिह, योगेन्द्र सिंह लेवेन्द्र, हेमंत पिता थानसिंह, जाति-हल्बा | 303/5 | 0.0330 | 0.00900 |
| 18 | लेमूबाई ध.प. नंदकिशोर, जाति-गांड़ा | 303/4 | 0.0200 | 0.00559 |
| 19 | टोमेश, सुर्यश, प्रियंका, पिता बसंत कुमार मधु ठाकुर बे बसंत कुमार, भूपेन्द्रसिंह पि. कल्याण सिंह, नित्यम सिंह ना.बा., निष्ठा ठाकुर ना.बा., पि. हितेन्द्र सिंह, पा.मा. अहिल्या ठाकुर, अहिल्या ठाकुर, पति हितेन्द्र सिंह, निरेद्र सिंह, भावेश तारम पिता कल्याण सिंह, जाति-हलबा | 303/2 | 0.0330 | 0.01000 |
| 20 | सुनीता, पिता शिवकुमार | 179/5 | 0.0400 | 0.00330 |
| | योग | 28 | 3.312 | **0.12722** |

उपरोक्त दर्शित भूमि के स्वत्व के विषय में किसी को काई आपत्ति हो, तो जारी दिनांक से 15 (पन्द्रह) दिवस के भीतर स्वत: अथवा अधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से आधार सहित मेरे सक्षम लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

कलेक्टर
जिला - बालोद

जी- 262703180/3

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

# सुग्घर छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

## एक महा अभियान, जो घर-घर तक पहुंचाएगा सुशासन का लाभ

## नियद नेल्ला नार
### मॉडल का राज्यव्यापी विस्तार

## 23 जिलों में 31 जनकल्याणकारी योजनाओं के संतृप्तिकरण का व्यापक कार्यक्रम

RO : 48382/6

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in


स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950